दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 06
अंकः- 198
मुरादाबाद
(Saturday)
07 November 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

राम-सरयू का आगमन हुआ है...: पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव के परिवार से मिले प्रधानमंत्री, बच्ची से सुना भजन

भारतीय टी20 टीम के पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव ने परिवार के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है। सूर्यकुमार के साथ उनकी पत्नी देविशा और बेटी रिद्धिमा भी मौजूद रहीं। इस दौरान प्रधानमंत्री ने सूर्यकुमार की बेटी रिद्धिमा को गोद में लेकर दुलार किया। पीएम मोदी ने इसका वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। प्रधानमंत्री ने इसका वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा- दीपावली के माहौल में राम और सरयू का आगमन हुआ है। इससे दीपावली का वातावरण और भी पावन एवं दिव्य हो गया है।यह



मुलाकात प्रधानमंत्री के आवास पर हुई। इस दौरान परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री ने परिवार की एक बच्ची से भजन भी सुना और वह इसे सुनकर काफी खुश भी हुए। सूर्यकुमार यादव फिलहाल भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं। उन्होंने टीम इंडिया के साथ पिछला मैच टी20 विश्वकप 2026 में खेला था। उनकी कप्तानी में टीम इंडिया ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में न्यूजीलैंड को हराकर टी20 विश्वकप का खिताब जीता था।सूर्यकुमार के लिए दरवाजा नहीं हुआ बंद

हालांकि, खिताब के बाद सूर्यकुमार से न सिर्फ कप्तानी छीनी गई, बल्कि उन्हें टीम से बाहर किया गया। हालांकि, उनकी वापसी का दरवाजा बंद नहीं हुआ है। तब कहा गया था कि उन्हें खराब फॉर्म की वजह से बाहर किया गया। उन्हें घरेलू क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन करने और वापसी करने को कहा गया।

वोट चोरी के बाद अब हक की चोरीः राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर साधा निशाना, बोले- गहरी साजिश रची जा रही



कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को केंद्र सरकार पर चुनाव में धांधली और लोगों के मतदान के अधिकार छीनने की साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने यह प्रतिक्रिया केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह के उस बयान पर दी, जिसमें उन्होंने कहा था कि सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों की पहचान अब आधार कार्ड के बजाय वोटर आईडी कार्ड से की जाएगी।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मोदी सरकार के मंत्री का एलान- योजनाओं का लाभ अब आधार से नहीं, वोटर आईडी से तय होगा। साजिश बहुत गहरी है, इत्मीनान से समझिए। एसआईआर के नाम पर करोड़ों नाम वोटर लिस्ट से काटे जा रहे हैं - रोका नहीं गया तो और भी काटे जाएंगे। ज्यादातर नाम किनके? जो भाजपा के खिलाफ आक्रोश में हैं।राहुल ने आगे लिखा कि, वोटर लिस्ट एक निष्पक्ष चुनाव आयोग के हाथ में होनी चाहिए, मगर अब वो मोदी सरकार के कर्मचारी, ज्ञानेश कुमार के हाथ में है, जिसकी भाजपा के साथ मिलीभगत में वोट चोरी हमने सबूत के साथ पकड़ी है। तैयारी है ऐसी लिस्ट बनाने की जिसमें बहुमत हमेशा भाजपा का हो - और अब वही लिस्ट तय करेगी कि आपको योजना का पैसा मिलेगा या नहीं।कल जिसने भी ठाना कि भाजपा को हटाना है, तो चुन-चुन कर सबका नाम काटा जाएगा। नाम कटा - वोट गया। वोट गया - हक गया।

राहुल ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि, देखते ही देखते आप एक अपहृत लोकतंत्र के अदृश्य नागरिक बन जाएंगे, जहां जनता सरकार नहीं चुनेगी, सरकार अपनी जनता चुनेगी।आज पंचायती राज की योजनाएं। कल राशन? पेंशन? मनरेगा? आवास? छात्रवृत्ति? आरक्षण? यह चुनाव जीतने की राजनीति नहीं, चुनाव चोरी का इंतज़ाम और सत्ता में बने रहने का स्थायी बंदोबस्त है। वोट देना आपका अधिकार है, शर्त नहीं। किसी गरीब की पेंशन उसके वोटर कार्ड की गुलाम नहीं हो सकती। ये सिर्फ वोट चोरी नहीं - ये हक चोरी है। हम ये होने नहीं देंगे।

संक्षिप्त समाचार

दीपावली और छठ पर यूपी के मेडिकल कॉलेज अलर्ट मोड में, 24 घंटे चालू रहेंगी इमरजेंसी और ट्रॉमा सेवाएं

दीपावली और छठ पूजा के मद्देनजर उत्तर प्रदेश के सभी सरकारी और स्वशासी मेडिकल कॉलेजों को अलर्ट किया गया है। अस्पतालों में इमरजेंसी, ट्रॉमा सेंटर, आईसीयू और बर्न यूनिट 24 घंटे सक्रिय रहेंगी। डॉक्टरों की ड्यूटी, दवाओं, ऑक्सीजन, एंबुलेंस और अग्नि सुरक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार त्योहारों के दौरान आमजन की सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए विशेष सतर्कता बरत रही है। इसी क्रम में दीपावली एवं छठ पूजा के दौरान संभावित दुर्घटनाओं, आग लगने की घटनाओं, सड़क हादसों और अन्य आपात परिस्थितियों को देखते हुए चिकित्सा शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी राजकीय एवं स्वशासी मेडिकल कॉलेजों तथा संबद्ध चिकित्सालयों को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए हैं। आपात चिकित्सा सुविधा के लिए भटकना न पड़े और जरूरत पड़ने पर उसे तत्काल उपचार उपलब्ध हो। महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण नेहा शर्मा ने इस संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सभी मेडिकल कॉलेजों को चिकित्सा सेवाओं, मानव संसाधन, दवाओं, चिकित्सा उपकरणों और आपातकालीन व्यवस्थाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया है

योगी बोले- अब भाई-भतीजावाद नहीं, मेरिट से मिलेगी नौकरी, 4,543 नवचयनित दरोगाओं को सौंपे नियुक्ति पत्र



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में 4,543 नवचयनित दरोगाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब भाई-भतीजावाद नहीं, बल्कि योग्यता और मेरिट के आधार पर नौकरी मिलेगी। मुख्यमंत्री ने पिछले साढ़े नौ वर्षों में 2.30 लाख पुलिसकर्मियों और 9.5 लाख से अधिक सरकारी भर्तियों का उल्लेख किया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लखनऊ में उत्तर प्रदेश पुलिस बल में निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के तहत चयनित 4,543 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने दो टूक कहा कि उत्तर प्रदेश में अब भाई-भतीजावाद नहीं चलेगा। प्रदेश की 25 करोड़ जनता ही हमारा परिवार है और सरकार सभी के साथ समान व्यवहार करेगी। नियुक्ति की प्रक्रिया में किसी के साथ भेदभाव नहीं होगा। योग्यता और मेरिट के आधार पर प्रदेश के हर युवा को अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती सरकारों पर तीखा हमला बोला।उन्होंने कहा कि पहले उत्तर प्रदेश में भर्ती की स्थिति ऐसी थी कि आवेदन कोई करता था, परीक्षा कोई दूसरा देता था और नियुक्ति पत्र किसी तीसरे को मिल जाता था। भर्ती के नाम पर सैफई सिंडिकेट का बोलबाला था। हमारी सरकार ने उस व्यवस्था को समाप्त कर पारदर्शी चयन प्रक्रिया स्थापित की है।मुख्यमंत्री ने नवचयनित अभ्यर्थियों से सीधे संवाद करते हुए तीन सवाल पूछे। कहा कि क्या आपमें से किसी को चयन के लिए किसी की सिफारिश कराने की नौबत आई? क्या किसी ने आपसे किसी प्रकार का लेन-देन किया या धनराशि का प्रस्ताव रखा? क्या किसी ने धौंस दिखाकर नियुक्ति पत्र प्राप्त करने का प्रयास किया, जिसकी आज उत्तर प्रदेश में कल्पना भी नहीं की जा सकती। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में डबल इंजन सरकार नहीं आई होती, तो पारदर्शी और ईमानदार भर्ती प्रक्रिया संपन्न होना एक दिवास्वप्न जैसा होता। वर्ष 2003 से 2017 के बीच ऐसी अनेक नियुक्तियां हुईं, जिनमें आवेदन किसी ने किया, परीक्षा किसी और ने दी और नौकरी किसी तीसरे व्यक्ति को मिल गई। ऐसे कई मामले आज भी न्यायालयों में लंबित हैं। चिंता यह है कि वर्षों बाद यदि न्यायालय ऐसे मामलों में नियुक्तियां समाप्त करने का आदेश देता है तो उन युवाओं का क्या होगा, जिन्होंने इतने वर्षों तक सेवा की है? जिन बेईमान लोगों ने तब नौजवानों के जीवन के साथ खिलवाड़ किया, उनकी पूरी संपत्ति जब्त होनी चाहिए। हमने 2017 में ही तय किया था कि चयन की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी होगी और किसी प्रकार का भाई-भतीजावाद या भेदभाव नहीं होगा। प्रदेश के 25 करोड़ नागरिक ही हमारा परिवार हैं। आज अंबेडकरनगर, गाजीपुर, संत कबीर नगर, देवरिया, भदोही, सोनभद्र, चित्रकूट, जालौन, सहारनपुर और हमीरपुर के युवाओं को भी समान अवसर मिल रहा है। बताया कि पिछले साढ़े नौ वर्षों में अकेले उत्तर प्रदेश पुलिस बल में 2.30 लाख पुलिस अधिकारियों और कार्मिकों की भर्ती पारदर्शी तरीके से की गई है। विभिन्न विभागों में सरकारी भर्तियों की संख्या 9.5 लाख से अधिक हो चुकी है। वर्ष 2003 से 2017 के बीच 14 वर्षों में भी इतनी भर्तियां नहीं हुईं, जितनी वर्तमान सरकार ने मात्र साढ़े नौ वर्षों में की हैं। मुख्यमंत्री ने हाल के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रमों का क्रमवार उल्लेख करते हुए बताया कि 25 अगस्त को कृषि विभाग के 3,572 अधिकारियों को नियुक्ति पत्र दिए गए। 19 सितंबर को आयुष, चिकित्सा स्वास्थ्य और उद्यान विभाग के 818 कार्मिकों, 20 सितंबर को पुलिस विभाग के 912 अभ्यर्थियों, 22 सितंबर को शिक्षा विभाग के 3,567 अभ्यर्थियों और 28 सितंबर को पंचायती राज विभाग के 1,375 कार्मिकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। 8 अक्टूबर को पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के माध्यम से चयनित 470 मेधावी खिलाड़ियों को उत्तर प्रदेश पुलिस में नियुक्ति दी गई। 5 नवंबर को 28 फॉरेंसिक साइंटिस्ट्स को नियुक्ति पत्र दिए गए और अब 4,543 नवचयनित उपनिरीक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए जा रहे हैं। सरकार ने छह माह में एक लाख युवाओं को नियुक्ति पत्र देने का संकल्प लिया था। कहा था कि आप गिनते रहिए, हम नियुक्ति पत्र वितरित करते रहेंगे। दीपावली के बाद भैयादूज के अगले दिन राजस्व विभाग के 1,200 से अधिक अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिए जाएंगे। इसके अलावा 42 हजार होमगार्ड की भर्ती प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। उत्तर प्रदेश पुलिस में 32 हजार कांस्टेबल और हेड कांस्टेबल की भर्ती प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है, सत्यापन का कार्य चल रहा है। लगभग 25 हजार शिक्षकों के नियुक्ति पत्र वितरण के लिए समय मांगा गया है। कुछ नियुक्ति पत्र जब तीसरी बार आएंगे तब वितरित करेंगे। सरकार का लक्ष्य अधिक से अधिक युवाओं को पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराना है।मुख्यमंत्री ने एक प्रसंग साझा करते हुए कहा कि जब वह पुलिस लाइन में घोड़ों का निरीक्षण करने पहुंचे थे, तो एक घोड़ा उनके सामने ही चक्कर खाकर गिर गया। घोड़ा, बैंड और श्वान दस्ता किसी भी फोर्स की शान होते हैं, लेकिन पिछली सरकारों के समय इनकी भी उपेक्षा की गई। जवान ही नहीं, घोड़े भी दाने-दाने के लिए मोहताज थे। आज पुलिस की व्यवस्थाओं और संसाधनों में व्यापक सुधार हुआ है।मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था देश और दुनिया के सामने एक नजीर बनी है। कई बार देश के दूसरे हिस्सों में कोई घटना होती है तो पीड़ित की ओर से यह प्रतिक्रिया आती है कि यदि वहां यूपी पुलिस होती तो अपराधियों का इतना दुस्साहस नहीं होता। अब इस पहचान को और प्रभावी बनाना है। हर नागरिक को न्याय मिलना चाहिए और कोई भी व्यक्ति स्वयं को उपेक्षित महसूस न करे।

कर्मभूमि एक्सप्रेस के चार डिब्बों में लगी आगः पटियाला में चलती ट्रेन में मची अफरा-तफरी, सभी यात्री सुरक्षित



अमृतसर से पश्चिम बंगाल के न्यू जलपाईगुड़ी जा रही कर्मभूमि एक्सप्रेस के चार डिब्बों में शुक्रवार दोपहर अचानक आग लग गई। बचाव और राहत कार्य जारी है।कर्मभूमि एक्सप्रेस के चार डिब्बों में आग लग गई। यह घटना सराय बंजारा के पास हुई है। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। नुकसान की सीमा के बारे में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है। सूत्रों के अनुसार, आग चलती गाड़ी में लगी है। जलपाईगुड़ी जा रही थी। आग लगने के बाद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, ट्रेन के इंजन से पांचवें कोच तक आग लगी है। आग की सूचना मिलते ही ट्रेन को रोक दिया गया और यात्रियों को बाहर निकाला जा रहा है। रेलवे की टीमें और दमकल विभाग मौके पर पहुंच गया है। नॉर्दर्न रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया कि अंबाला डिवीजन के सराय बंजारा स्टेशन के पास, अमृतसर से न्यू जलपाईगुड़ी जाने वाली 12508 कर्मभूमि एक्सप्रेस के चार डिब्बों में आग लगने की सूचना मिली। सेफ्टी सिस्टम के समय पर काम करने की वजह से ट्रेन रुक गई और आग पर काबू पाने का काम चल रहा है। सभी वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। इस घटना में किसी के घायल होने, किसी अन्य तरह के नुकसान या किसी की जान जाने की कोई खबर नहीं है। अंबाला डिवीजन के सीनियर डीसीएम यशजीत सिंह ने बताया कि हमारी पहली प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि यात्री सुरक्षित अपनी मंजिल तक पहुंचें।

राजनीतिक मतभेद के बावजूद संबंधः शरद पवार से मिले प्रफुल्ल पटेल, बेटी के केंद्रीय मंत्री बनने की अटकलें तेज

एनसीपी नेता प्रफुल्ल पटेल ने शरद पवार से मुलाकात के बाद कहा कि राजनीतिक मतभेदों के बावजूद उनके पारिवारिक रिश्तों में कभी कड़वाहट नहीं आई। वहीं, एनसीपी नेताओं की अमित शाह से मुलाकात और पार्टी में संभावित बदलावों की अटकलें तेज हो गई है। वरिष्ठ एनसीपी नेता प्रफुल्ल पटेल ने कहा है कि राजनीतिक मतभेदों के बावजूद, एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार के साथ उनके संबंध सौहार्दपूर्ण और



पारिवारिक बने हुए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनके बीच कभी कोई कड़वाहट नहीं रही। पवार ने क्या कहा? गुरुवार रात मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में शरद पवार से मुलाकात करने वाले पटेल ने बताया कि वे इस वरिष्ठ नेता का हाल-चाल जानने गए थे। उन्होंने बताया कि पवार की तबीयत एकदम ठीक है। पटेल ने कहा, %राजनीतिक मतभेद जरूर रहे हैं, लेकिन कभी कोई कड़वाहट नहीं आई। मैं समय-समय पर पवार साहब से मिलता रहा हूं। हमारे पारिवारिक संबंध हैं, जो आगे भी बने रहेंगे।%उन्होंने बताया कि दोनों के बीच मौजूदा राजनीतिक हालात पर भी चर्चा हुई। पटेल ने कहा कि शरद पवार अच्छे मूड में थे और अपने चिर-परिचित अंदाज में मुस्कुरा रहे थे।

संपादकीय Editorial

A Political Spectacle

In the sham Parliament, not only were activists given space in the name of civil society, but under the guise of vote theft, a motion of public impeachment was also initiated against Chief Election Commissioner Gyanesh Kumar. The opposition parties' symbolic Parliament was described as a vulgar political spectacle. The "public impeachment" of the Chief Election Commissioner was called a "kangaroo court." Such action was questioned during the Supreme Court hearing. Typically, symbolic Parliaments are organized to familiarize students with the mechanics of parliamentary proceedings. However, the sham Parliament organized by opposition parties at the residence of party president Mallikarjun Kharge, initiated by the Congress party, yesterday was difficult to describe as anything other than a vulgar political spectacle. This event not only undermined the dignity of Parliament but also brought disgrace upon the opposition.

This was done because, in the name of civil society, activists were given a place in this sham parliament, and secondly, under the pretext of vote theft, a people's impeachment was also initiated against Chief Election Commissioner Gyanesh Kumar. Neither he nor the Election Commission was given the opportunity, even if only symbolically, to present their side.

In a way, those who brought the people's impeachment acted like a kangaroo court and delivered the verdict they desired, declaring the Chief Election Commissioner guilty. All this drama occurred while the Supreme Court was hearing petitions filed against the purification of voter lists (SIR). Many of these petitions were filed by opposition leaders, including one by Rahul Gandhi.

After filing this petition, Rahul Gandhi stated that he had faith in the Supreme Court. If he truly had faith in the Supreme Court, then what was the justification for convening a sham parliament and initiating a so-called people's impeachment out of prejudice? All this proves that Rahul Gandhi and his allies are unwilling to trust the Supreme Court. Holding a public hearing outside a case being heard in the Supreme Court is against democratic decorum and constitutional values.Isn't it strange that Rahul Gandhi carries a copy of the Constitution around, yet is unwilling to act in accordance with its spirit? He should understand that there are limits to misleading people with baseless allegations. This is no longer the time when a lie repeated a hundred times can be proven true.There are no denying that there are flaws in the SIR process and that they are causing inconvenience to people, but calling it vote theft is overstating the truth. If Rahul Gandhi and other opposition leaders have any evidence against the Chief Election Commissioner's alleged malpractices, it should be presented before the Supreme Court. In no case can the opposition simultaneously play the role of both lawyer and judge.

Growing Trade Deficit Raises Risks

The growing trade deficit with China is a sensitive issue linked to India's economic stability, industrial capacity, and sovereignty. The trade deficit with China is projected to reach $112 billion by 2025-26. Achieving self-reliance in domestic manufacturing and pharmaceuticals is essential. Supply chain diversification and quality control are important strategic measures. At a recent meeting of the International Monetary Fund (IMF) and World Bank, Finance Minister Nirmala Sitharaman stated that India is facing the challenge of a growing trade deficit with China. India's trade deficit with China is projected to more than double from $52.5 billion in 2015-16 to $112 billion in 2025-26. Although India's exports to China have increased, a large volume of imports from there is further widening the trade deficit.

Several structural and policy factors are responsible for the growing trade imbalance with China. The primary reason for this is China's non-tariff barriers. According to the Finance Minister, the Chinese administration's complex technical, health, and quality standards hinder the entry of Indian goods into the Chinese market. India has been demanding fair access to the Chinese market for its generic medicines, processed meat, and agricultural products for over a decade. China, however, imposes complex regulations to protect domestic industries. This prevents Indian exporters from gaining a foothold in the Chinese market despite competitive prices and quality. Furthermore, fluctuations in the Chinese Yuan exchange rate increase pressure on the Indian rupee.

Another aspect of the trade imbalance with China is India's dependence on Chinese raw materials and components despite the "Make in India" campaign. Although India's domestic manufacturing sector has grown in recent years, industrial production remains dependent on Chinese supply chains. India's electronics industry remains dependent on imports from China for display panels, solar PV cells, pharmaceutical raw materials (APIs), and heavy industrial machinery. This dependence has led to increased imports of Chinese components as industrial production and manufacturing in India increases. China also controls the production and export of rare earth elements, lithium, and advanced fertilizers. These resources are essential for India's electronics industry, electric vehicles, solar energy, and agriculture. Their limited supply and high prices cost India significant foreign exchange each year.

Imposing retaliatory tariffs alone is not a long-term solution to controlling the growing trade deficit with China. Instead, India must adopt a comprehensive strategy. Its first priority should be developing a domestic ecosystem for electronics and semiconductors. India must increase manufacturing at the component level, rather than simply assembling final products. Dependence on China will remain unaddressed until printed circuit boards, advanced sensors, display panels, and semiconductor chips are produced domestically. The second step is achieving self-reliance in pharmaceuticals and bulk drugs. India is called the pharmacy of the world, but its pharmaceutical industry relies on China for up to 70 percent of its APIs. This dependence poses strategic and national security risks.

To reduce this dependence, the establishment of the announced bulk drug parks in the country must be accelerated and incentive schemes for domestic production of 41 critical APIs must be implemented. Furthermore, to counter China's non-tariff barriers, India must implement quality control orders along with diplomatic efforts. Establishing quality standards is essential to prevent the dumping of substandard Chinese goods and provide a fair competitive environment for domestic manufacturers. India must diversify supply chains and adopt a "friend-shoring" policy. Alternative supply networks must be developed with like-minded countries to reduce dependence on China for critical minerals, rare metals, and high-tech products. If India does not promote domestic manufacturing in the era of the expansion of green technology and electric vehicles, its dependence on green technology imports from China may increase as dependence on West Asia for fossil fuels decreases.

The growing trade deficit with China is not merely a matter of import-export figures; it is a matter of India's economic stability, industrial capacity, and strategic sovereignty. That is why we must prioritize the purchase of domestically produced goods. We must recognize China as an economic competitor and strive to compete with it. We must increase resources for research and innovation in industry and business. We must accelerate the transparent and timely implementation of Production Linked Incentive (PLI) schemes, adherence to quality standards, and diversification of trading partners. These efforts will gradually reduce India's economic dependence on China and its trade deficit, enabling it to emerge as a balanced and self-reliant economic power in global trade.

Representation of the People Act Seeks Amendment

When the Election Commission issues both voter lists and voter ID cards, why are their standards and validity not the same? Deletion of names from the voter list hinders voting. Amendment to Section 62(1) of the Representation of the People Act requires amendment. Voter ID cards should be recognized as equivalent to the voter list. The issue of Special Intensive Revision (SIR) of voter lists is currently under discussion. The Election Commission has this authority under Article 324 of the Constitution, Section 21 of the Representation of the People Act (1950), and Rule 25(1) of the Electoral Registration Rules (1960). The Commission can conduct three types of revisions: a general revision, a special revision, and a special intensive revision, in which the names of deceased, duplicate, or transferred voters are removed from the voter list and the names of new voters are added. Since Special Intensive Revision (SIR) involves creating a completely new voter list, it presents more problems. Errors occur at the ground level by BLOs and other employees, but it is wrong to label them as vote theft. However, some parties have continued to propagate the narrative of vote theft for political gain.The Election Commission registers citizens who turn 18 as voters four times a year—on January 1, April 1, July 1, and October 1. Even if a citizen is 17 years old, they can still register so that their name is automatically added to the voter list upon reaching 18. Therefore, young people should not fall prey to any misunderstandings. However, if someone's name has been deleted from the voter list, they can have their name added through the BLO in their area by filling out Form 6. Even if the elections have already begun, candidates can still add their name to the voter list until the last date for nomination.

While the Election Commission makes tireless efforts to update voter lists and encourage women, voters over 85, the disabled, and other valid voters to vote, some people, despite having voter ID cards, are unable to vote because their names are deleted from the list. Sometimes, entire families disappear from the voter list, even though they all have voter ID cards. The Election Commission recognizes 12 other identity cards, allowing voters to show them and vote if their names are on the list.

The question then arises: what is the point of voter ID cards? The Representation of the People Act (1951) was amended in 1958 to grant legal validity to voter ID cards. The Election Commission's voter ID card is unique; it bears an alphanumeric number, which is also included with the voter's name on the voter list. No other identity card has this number. Therefore, Commission officials can "check" what happened to a voter ID card's alphanumeric number and why it was removed. Has he moved somewhere else, or is his voter ID card issued elsewhere? How can voters whose names have been mistakenly deleted from the list exercise their right to vote? Can't their immediate registration ensure their voting?

An obstacle to this is Section 62(1) of the Representation of the People Act (1951), which defines citizens' voting rights. According to this, "only a person whose name appears on the electoral roll for that constituency can vote." This law dates back 75 years, when there was no other option for voter records other than the electoral roll. However, since 1993, the voter ID card has been a solid proof of voter identity. When both the electoral roll and the voter ID card are issued by the Election Commission, why are their standards and recognition not equal? ??Now the Commission must decide how to address the problem of voters who are unable to vote despite having a voter ID card but not being able to vote. With the same urgency with which the Commission strives to maximize voter turnout, it must expand its efforts to achieve this. The Election Commission's continuous voter registration (Form 6), registration transfer (Form 8), and pre-registration at the age of 17 simplify voter registration in India.

गंगा एक्सप्रेसवे पर हादसा: संभल में अनियंत्रित होकर पिकअप वाहन के पलटने से 12 लोग घायल, नौ रेफर

शुक्रवार सुबह गंगा एक्सप्रेस वे पर करनाल से बदायूं जा रहा पिकअप चालक को नींद आने से पलट गया। इसमें तीन बच्चों समेत 12 लोग घायल हुए, जिन्हें बहजोई सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर किया गया।



हरियाणा के करनाल से चलकर जिला बदायूं के बिनावर जा रहा सवारियों से भरा पिकअप वाहन गंगा एक्सप्रेस वे पर अनियंत्रित होकर पलट गया। इससे पिकअप वाहन सवार तीन बच्चों समेत 12 लोग घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहजोई में भर्ती कराया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद 9 घायलों को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। हादसा शुक्रवार को सुबह करीब 4ः45 बजे गांव ढाढोल के निकट हुआ। सूचना मिलने पर मय पुलिस टीम के मौके पर पहुंचे प्रभारी इंस्पेक्टर राजीव कुमार मलिक ने मामले की जांच पड़ताल के बाद क्षतिग्रस्त पिकअप वाहन को गंगा एक्सप्रेसवे से हटवा कर सड़क किनारे लगवाया। प्रभारी इंस्पेक्टर ने बताया कि जांच पड़ताल में सामने आया कि हरियाणा के करनाल से पिकअप वाहन में सवार होकर लोग महिलाओं व बच्चों के साथ दीपावली मनाने जिला बदायूं के गांव बिनावर जा रहे थे।रास्ते में चालक को नींद की झपकी आने के कारण पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। सभी घायलों का सरकारी अस्पताल में उपचार कराया गया है। क्षतिग्रस्त पिकअप वाहन को गंगा एक्सप्रेसवे से हटवा दिया गया है। सवारियों को उनके गंतव्य पर भेजने का इंतजाम कराया जा रहा है। हादसे में यह लोग हुए हैं घायल-1- राजकुमारी पत्नी मुकेश 40 वर्ष गंगुरिया थाना कलान शाहजहांपुर। 2- देवी पुत्री तालेवर 10 वर्ष। 3- तालेवर पुत्र रामदीन 50 वर्ष। 4- रूपवती पत्नी नेत्रपाल 55 वर्ष। 5- रीना पत्नी राहुल 30 वर्ष, मेहरी थाना मूसाझाग बदायूं। 6- राम बाबू पुत्र प्रेमपाल 40 वर्ष सूरजपुर रजपुर गुमराह थाना इस्लामनगर बदायूं।7- अरुण पुत्र दम्पत 10 वर्ष। 8- रीना पत्नी दंपत 50 वर्ष रायपुर दिरपुर थाना दातागंज बदायूं। 9- रानी पत्नी छोटेलाल 40 वर्ष। 10- राधेश्याम पुत्र छोटेलाल 7 वर्ष भागनगर थाना धनारी। 11- जगदीश पुत्र अंगन 60 वर्ष खजरा खाकाम थाना बहजोई। 12- मुकेश पुत्र राम स्वरूप 50 वर्ष गंगुरिया थाना कलां जिला शाहजहांपुर।

त्योहारों पर रेल यात्रियों को बड़ी राहत: हरदोई से गुजरेंगी 8 स्पेशल ट्रेनें, मुरादाबाद में 24 घंटे सक्रिय रहेगा रेलवे का वार रूम

दीपावली और छठ पर पंजाब, बिहार, दिल्ली व पूर्वांचल जाने वाले यात्रियों को मिलेगी सहूलियत, मुरादाबाद मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर रहेगा ट्रेनों का ठहराव त्योहारी सीजन में यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने हरदोई से 8 स्पेशल ट्रेनें गुजारने का फैसला किया है। मुरादाबाद में 24 घंटे का वार रूम बनाया गया है। त्योहारों के इस सीजन में ट्रेनों में उमड़ने वाली भारी भीड़ और यात्रियों की परेशानियों को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन ने विशेष इंतजाम किए हैं। यात्रियों को उनके गंतव्य तक सुगमता से पहुंचाने के लिए कई स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है, जिनमें से आठ प्रमुख त्योहार विशेष ट्रेनों का ठहराव विशेष



रूप से हरदोई रेलवे स्टेशन पर निर्धारित किया गया है। इन ट्रेनों के चलने से हरदोई के साथ-साथ मुरादाबाद, बरेली और शाहजहांपुर के यात्रियों को भी पंजाब, दिल्ली, बिहार और पूर्वांचल की यात्रा के लिए बेहतरीन विकल्प मिलेंगे। हरदोई स्टेशन पर रुकने वाली प्रमुख विशेष ट्रेनें- रेलवे द्वारा जारी शेड्यूल के अनुसार, हरदोई स्टेशन पर जिन आठ विशेष ट्रेनों का ठहराव सुनिश्चित किया गया है, उनमें निम्नलिखित गाड़ियां शामिल हैंः 04468/04467 अमृतसर-बरौनी-अमृतसर विशेष ट्रेनः यह दोनों ट्रेनें मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर और हरदोई स्टेशनों पर रुकेंगी। 04209 वाराणसी-दिल्ली विशेष ट्रेनः इसका ठहराव हरदोई, रामपुर, मुरादाबाद, गजरौला और हापुड़ में रहेगा। 04512 चंडीगढ़-पटना विशेष ट्रेनः यह गाड़ी रामपुर, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर और हरदोई में रुकेगी। 04616 फिरोजपुर-पटना विशेष ट्रेनः इस ट्रेन का ठहराव रामपुर, नजीबाबाद, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर, हरदोई और बालामऊ में निर्धारित किया गया है। 04668 अमृतसर-बरौनी विशेष ट्रेनः यह मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर और हरदोई स्टेशनों पर रुकेगी। 04552 सहारनपुर-वाराणसी विशेष ट्रेनः इसका ठहराव भी मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर और हरदोई में होगा। 05283 मुजफ्फरपुर-आनंद विहार विशेष ट्रेनः यह ट्रेन हरदोई, शाहजहांपुर और मुरादाबाद स्टेशन पर ठहराव करेगी। मुरादाबाद डीआरएम कार्यालय में 24 घंटे मुस्तैद रहेगा वार रूम त्योहारों के दौरान ट्रेनों के सुरक्षित और सुचारू संचालन के लिए मुरादाबाद मंडल के डीआरएम कार्यालय में एक विशेष %वार रूम% बनाया गया है। यहाँ रेलवे कर्मचारी चौबीस घंटे (24×7) निगरानी कर रहे हैं। इस वार रूम के जरिए ट्रेनों की आवाजाही, स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ और अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं पर पैनी नजर रखी जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की आकस्मिक समस्या या असुविधा से तुरंत निपटा जा सके।

यूपी शिक्षक पदोन्नति: 5500 आपत्तियों से फंसा पेंच! जॉइनिंग डेट को लेकर शिक्षकों ने खोली विभाग की पोल

मुरादाबाद में परिषदीय स्कूलों के शिक्षकों की पदोन्नति प्रक्रिया 5500 आपत्तियों के कारण उलझ गई है। शिक्षक पदोन्नति में जॉइनिंग तिथि को आधार बनाने की मांग कर रहे हैं, जबकि अनंतिम सूची में कई त्रुटियां पाई गई हैं।परिषदीय स्कूलों के शिक्षकों की पदोन्नति प्रक्रिया अनंतिम सूची की खामियों के चलते उलझती नजर आ रही है। जिले में करीब 5500 शिक्षकों की आपत्तियां मिलने से सूची की शुद्धता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। शिक्षकों की प्रमुख मांग है कि पदोन्नति में उनकी जाइनिंग तिथि को आधार बनाया जाए।

उनका कहना है कि नियुक्ति के समय से चली आ रही वरिष्ठता के आधार पर ही पदोन्नति दी जानी चाहिए। इधर विभागीय अफसरों का कहना है कि शिक्षकों ने खुद ही सूची भरकर बीईओ दी है। अब शिक्षकों की ओर से दी जा रही आपत्तियों को दिया जा रहा है।जिले में बेसिक शिक्षा विभाग के 1409 विद्यालयों में करीब 5700 शिक्षक तैनात हैं, इनमें से 5500 शिक्षकों ने पदोन्नति मामले में विभाग के पास आपत्ति जमा की है। शिक्षकों का कहना है कि पदोन्नति के लिए उनसे जानकारी मांगी गई है। तो उन्होंने अपनी सही जानकारी दी है।शिक्षकों का कहना है कि खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) के माध्यम से संबंधित दस्तावेजों और सूचनाओं का सत्यापन कराकर जिला स्तर तक पहुंचाया जाता है। इसी प्रक्रिया के आधार पर अनंतिम सूची तैयार होती है।

बावजूद इसके सूची में बड़ी संख्या में त्रुटियां हैं। जिनमें नियुक्ति तिथि की गड़बड़ी, नाम और विद्यालय में प्रथम नियुक्ति समेत कई विसंगतियां हैं। शिक्षकों का कहना है कि अब उन्हें अपनी जानकारी और अभिलेखों के मिलान के लिए आपत्तियां दर्ज करानी पड़ रही हैं।

शिक्षकों का सवाल है कि जब नियुक्ति और जाइनिंग से संबंधित अभिलेख विभाग के पास उपलब्ध हैं तो वरिष्ठता निर्धारित करने में विसंगतियां क्यों सामने आ रही हैं। उनका कहना है कि पदोन्नति में जाइनिंग तिथि को स्पष्ट आधार बनाया जाना चाहिए।

शिक्षकों की बात- सूची में किसी भी तरह की त्रुटि रहने से पात्र शिक्षकों की वरिष्ठता प्रभावित हो सकती है। प्रथम नियुक्ति आधार पर शिक्षकों को वरीयता मिले। सालों से विद्यालयों में सेवा दे रहे शिक्षकों को पदोन्नति दी जानी चाहिए। - हाकिम अली, शिक्षक।

सूची में ज्वाइनिंग की तारीख गलत दी जा रही हैं। यही कारण है कि शिक्षकों को ज्वाइनिंग के आधार पर पदोन्नति नहीं मिल पा रही है। जो सालों से विद्यालयों में सेवा दे रहे हैं। उनके अधिकारों का हनन हो रहा है। - रविंद्र सिंह, शिक्षक। शिक्षकों ने स्वयं ही अपनी जानकारी दी है। यह सूची में अपने विषय में उन्होंने पूरी जानकारी भी स्वयं दी है। इसके बाद सत्यापन के लिए विभाग के पास दस्तावेज पहुंचे हैं। शिक्षकों से आपत्ति ली जा रही है। इसके बाद ही सत्यापन किया जायेगा। - अमित सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी।

आजाद समाज पार्टी के जिला उपाध्यक्ष पर हमले की रिपोर्ट दर्ज

स्वार। मुंशीगंज-स्वार मार्ग पर आजाद समाज पार्टी के जिला उपाध्यक्ष गौतम जाटव से मारपीट के मामले में पुलिस ने एक माह पांच दिन बाद रिपोर्ट दर्ज की है। बूढ़ी दढ़ियाल के दो लोगों पर मारपीट, जातिसूचक शब्द कहने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप है। पुलिस ने एससी-एसटी एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। रुस्तमनगर निवासी गौतम जाटव आजाद समाज पार्टी के जिला उपाध्यक्ष और जिला पंचायत प्रत्याशी भी हैं। उन्होंने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 30 सितंबर को मार्ग से गुजरते समय अरमान अली और फैजुल अली ने उन्हें रोका।आरोप है कि दोनों ने गाली-गलौज कर जातिसूचक शब्द कहे और विरोध करने पर लाठी-डंडों व लात-घूंसों से मारपीट की। उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने बृहस्पतिवार को दोनों आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। सीओ हर्षिता सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामले की जांच की जा रही है।

स्विफ्ट कार भी नहीं आई पसंद, दूल्हे ने मांगी बोलेरो और 10 लाख की रकम

स्वार। अजीमनगर थाना क्षेत्र में दहेज की मांग पूरी न होने पर शादी से पहले रिश्ता विवादों में घिर गया। आरोप है कि दूल्हे पक्ष ने पहले स्विफ्ट कार और पांच लाख रुपये मांगे। लड़की पक्ष ने नकदी देने के साथ स्विफ्ट कार भी खरीदकर दे दी, लेकिन इसके बाद बोलेरो कार और 10 लाख रुपये की मांग कर दी।विरोध करने पर युवक ने अपने भाइयों और अन्य लोगों के साथ घर में घुसकर मारपीट की। साथ ही दूसरी जगह शादी करने पर युवती के फोटो और रिकॉर्डिंग वायरल करने की धमकी दी।पीड़ित पिता के मुताबिक, उसने मझरा रसूलपुर निवासी तालिब के साथ अपनी बेटी का रिश्ता तय किया था। पांच नवंबर को बरात आनी थी। शादी करीब आने पर तालिब और उसके परिजनों ने दहेज की मांग बढ़ा दी। पीड़ित ने करीब दो लाख रुपये कंपनी के खाते में जमा किए और शेष रकम फोनपे से तालिब के खाते में भेजी। कार मिलने के बाद भी तालिब संतुष्ट नहीं हुआ और बोलेरो के साथ 10 लाख रुपये की मांग करने लगा। मांग पूरी करने में असमर्थता जताने पर कई बार पंचायत हुई। आरोप है कि दो नवंबर को तालिब अपने भाइयों आरिफ, आकिब, शाकिब और कुछ अज्ञात लोगों के साथ लाठी-डंडे लेकर पीड़ित के घर में घुस आया।

संक्षिप्त समाचार

अंकल नमकीन ले लो... बच्ची की मासूम पुकार पर थम गए सीएम योगी के कदम, मंच से दी मुरादाबाद के स्वदेशी उत्पाद को पहचान

लखनऊ प्रदर्शनी में मुरादाबाद की कक्षा एक की छात्रा वाची ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ध्यान खींचा, जब उन्होंने अपने पिता के मूंग दाल नमकीन स्टॉल पर उन्हें रोका। मुख्यमंत्री ने स्वदेशी उद्यम की सराहना की और बेहतर पैकेजिंग पर जोर दिया। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित प्रदर्शनी में मुरादाबाद की कक्षा एक की छात्रा नन्हीं वाची ने अपनी मासूमियत से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ध्यान आकर्षित कर लिया।



अमित कुमार सक्सेना के होम मेड मूंग दाल नमकीन स्टॉल पर पहुंची वाची की पुकार पर मुख्यमंत्री रुक गए और नमकीन का पैकेट लिया। उन्होंने परिवार के स्वदेशी उद्यम की सराहना करते हुए बेहतर पैकेजिंग और ब्रांडिंग पर जोर दिया। वाची और उसकी छोटी बहन आची को मंच पर बुलाकर दुलार भी किया। संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने भी उत्साह बढ़ाया। मुख्यमंत्री द्वारा खुले मंच से मुरादाबाद के इस छोटे उद्यम की तारीफ किए जाने से स्थानीय कारोबारियों में खुशी है। इस प्रसंग को प्रमुखता देने वाले दैनिक जागरण के प्रयास की भी सराहना हो रही है।

फर्जी वसीयत से संपत्ति हड़पने के आरोप में ब्लॉक प्रमुख समेत पांच पर प्राथमिकी

मिलक। मृतक के नाम से फर्जी वसीयत तैयार कर विधवा की विरासत में मिली संपत्ति हड़पने के आरोप में कोर्ट के आदेश पर ब्लॉक प्रमुख और उनके बेटे समेत पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। नगर के मोहल्ला नई बस्ती निवासी नीरजा गंगवार ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उनके पति दिग्विजय पाल सिंह का निधन 29 मई 2002 को हो गया था। पति की मृत्यु के बाद उनकी समस्त अचल संपत्ति विरासत के रूप में उनके नाम दर्ज हो गई थी।आरोप है कि ब्लॉक प्रमुख अर्चना गंगवार, उनके पुत्र शुभांक प्रकाश, प्रदीप कुमार निवासी नई बस्ती, राजेश गंगवार निवासी रौरा खुर्द और पीके राजपूत निवासी बुलंद बंगला रामपुर ने आपस में मिलकर कूटरचित अभिलेख तैयार किए।आरोप है कि आरोपियों ने उनके पति के फर्जी हस्ताक्षर बनाकर एक मई 2002 की कथित वसीयत तैयार की और इसके आधार पर न्यायालय में मुकदमा दायर कर दिया। न्यायालय ने 19 मार्च 2024 को दोनों मुकदमों में फैसला सुनाते हुए वसीयत को जाली और फर्जी करार दिया था।पीड़िता का कहना है कि वह असदुल्लापुर स्थित अपनी भूमि सितंबर 2007 में ही बेच चुकी हैं और उसका दाखिल-खारिज भी हो चुका है। इसके बावजूद आरोपी संपत्ति पर कब्जा करने का प्रयास करते रहे। उन्होंने 10 सितंबर 2026 को कोतवाली और एसपी को शिकायत दी थी, लेकिन कार्रवाई नहीं होने पर कोर्ट की शरण ली। सीओ राजवीर सिंह परिहार ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने पांचों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

छह वर्षीय मासूम बच्ची की हत्या, दुष्कर्म की आशंका

शाहबाद। बुधवार दोपहर से लापता छह वर्षीय मासूम बच्ची का शव बृहस्पतिवार को लक्खी बाग के जंगल में अर्धनग्न अवस्था में मिला। मासूम के सिर, प्राइवेट पार्ट और शरीर के अन्य हिस्सों पर चोटों के निशान मिले हैं। परिजनों ने मासूम के साथ दुष्कर्म की आशंका जताते हुए हत्या का आरोप लगाया है। मामले में हत्यारोपी किशोर को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है। शाहबाद के एक मोहल्ले में रहने वाले चाट-पकौड़ी विक्रेता की छह वर्षीय बेटी बुधवार दोपहर अचानक लापता हो गई थी। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

कैंट विधायक संजीव अग्रवाल ने किया 'योगी जी का युग आया' चालीसा गीत संग्रह का विमोचन

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली।(ब्यूरो) श्री त्रिवटीनाथ सांगवेद संस्कृत महाविद्यालय में गुरुवार को बाल रामायण के रचयिता डॉ. दीपंकर गुप्त द्वारा दीपोत्सव मनाया गया। मुख्य अतिथि कैंट विधायक एवं सह कोषाध्यक्ष संजीव अग्रवाल ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के व्यक्तित्व पर आधारित गीत संग्रह 'योगी जी का युग आया' चालीसा का विमोचन किया।

251 बटुकों के साथ योगी चालीसा पाठ की संगीतमय प्रस्तुति अलौकिक रही। मुख्य अतिथि संजीव अग्रवाल ने कहा कि डॉ. दीपंकर गुप्त द्वारा रचित गीत संग्रह वास्तव में सामाजिक, धार्मिक चेतना, सांस्कृतिक जागरण एवं आज के समय की मांग की महत्वपूर्ण कृति है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य बंशीधर पांडेय ने की। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ के राष्ट्र धर्म हित प्रयास वंदनीय हैं। कार्यक्रम में डॉ. सुरेश चंद्र शर्मा एवं शिव ओम पाठक का विशेष सान्निध्य रहा। योगी जी के प्रतीक स्वरूप भास्करानंद महाराज बाल ब्रह्मचारी विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। डॉ. दीपंकर गुप्त ने बताया कि योगी चालीसा में योगी जी के बचपन से लेकर अब तक की राष्ट्र धर्म के प्रति निष्ठा, समर्पण, सेवा एवं कार्यशैली का सारगर्भित वर्णन किया गया है। अंत में सभी को गीत संग्रह की प्रतियां बांटी गईं।

मातृशक्ति का समर्पण राष्ट्र निर्माण में अतुलनीय- बोले कैंट विधायक संजीव अग्रवाल

@ क्यूँ न लिखूँ सच



♦ आशा, आंगनबाड़ी और सफाईकर्मी बहनों का किया सम्मान

बरेली।(ब्यूरो) दीपवाली के अवसर पर पं. राधेश्याम कथावाचक स्मार्ट सिटी ऑडिटोरियम बिहारीपुर में शुक्रवार को मातृशक्ति वंदन अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि कैंट विधानसभा विधायक एवं सह कोषाध्यक्ष संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कैंट विधानसभा क्षेत्र की आशा, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, सहायिकाओं सहित सफाईकर्मी मताओं-बहनों को सम्मानित किया। कैंट विधानसभा विधायक एवं सह कोषाध्यक्ष संजीव अग्रवाल ने कहा कि समाज और राष्ट्र के नवनिर्माण में हमारी मातृशक्ति का योगदान अतुलनीय है। स्वास्थ्य एवं बाल विकास सेवाओं को हर घर तक पहुंचाने में आशा, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का समर्पण पूरे समाज के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में डबन इंजन सरकार महिलाओं के स्वावलंबन और सम्मान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

कैंट विधानसभा विधायक एवं सह कोषाध्यक्ष संजीव अग्रवाल ने आशा, आंगनबाड़ी, सफाई के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली मातृशक्ति को सम्मानित किया। साथ ही सभी को धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भाईदूज की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान महानगर उपाध्यक्ष अमरीश कठेरिया, अरुण कश्यप, हर्षित, डॉ. गौरव गंगवार, सुंदरम सक्सेना, अमित सक्सेना, नीतू अग्रवाल, गीता चैरसिया, रजनी देवी, पिंकी लखेरा, नीलम, निर्मला, नीलम सक्सेना, विमला कन्नौजिया, सरिता, मधु, शकुंतला, पूजा, सपना सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

बाजारों में उमड़ी भीड़, चांदी के सिक्कों से लेकर बर्तनों तक खरीदारी तेज

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली।(ब्यूरो) । धनतेरस पर इस बार बाजारों में सिर्फ सोने की चमक नहीं, चांदी की खनक भी खूब सुनाई दे रही है। शुभता और समृद्धि की कामना के साथ लोग खरीदारी के लिए बाजार पहुंच रहे हैं। सराफा बाजार में चांदी के सिक्कों, आभूषणों और देवी-देवताओं की मूर्तियों की मांग बढ़ी है। वहीं, वाहन शोरूम से लेकर बर्तन और इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकानों तक ग्राहकों की चहल-पहल है। कोई नई गृहस्थी के लिए बर्तन खरीद रहा है तो कोई धनतेरस पर नया वाहन घर लाने की तैयारी में है।

सराफा कारोबारियों के मुताबिक, इस बार चांदी के सिक्कों, बर्तनों और धार्मिक वस्तुओं को लेकर ग्राहकों में खास उत्साह है। हालांकि सोने के आभूषणों की मांग भी बनी हुई है। धार्मिक मान्यताओं में सोने को वैभव और चांदी को शीतलता एवं शुभता का प्रतीक माना जाता है। इसी वजह से लोग अपनी सामर्थ्य और परंपरा के अनुसार खरीदारी कर रहे हैं।

धन की पोटली में कौड़ी और हल्दी का महत्व-धनतेरस पर कई घरों में धन की पोटली तैयार करने की परंपरा भी निभाई जाती है। इसमें कौड़ी, हल्दी की गांठ, साबुत धनिया, अक्षत और सिक्के रखे जाते हैं। लोकमान्यता है कि इन वस्तुओं को घर में रखने से सुख-समृद्धि बनी रहती है। वहीं, झाड़ू खरीदने की परंपरा को घर से दरिद्रता दूर करने और स्वच्छता से जोड़कर देखा जाता है।

शुभ मुहूर्त में करें पूजन, सुख-समृद्धि की कामना आचार्य राजेश कुमार शर्मा के अनुसार धनतेरस पर खरीदारी के लिए पूरा दिन शुभ माना जाता है। इस दिन खरीदी गई वस्तु को शुभ और फलदायी मानने की धार्मिक मान्यता है। हालांकि विशेष खरीदारी मुहूर्त दोपहर 3:09 बजे से शाम 4:58 बजे तक रहेगा।

एसबीआई ने विद्यालय को भेंट किए 32 कूड़ेदान, स्वच्छता का दिया संदेश

समोदिया रामपुर । दीपावली के अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक की ओर से विद्या भारती से संबद्ध जन शिक्षा समिति पश्चिम उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सरस्वती विद्या मंदिर एवं डॉ. दीपचंद मौर्य सरस्वती शिशु मंदिर में स्वच्छता अभियान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 32 कूड़ेदान भेंट किए गए। साथ ही दोनों विद्यालयों के आचार्यों एवं कर्मचारियों को मिष्ठान वितरित किया गया।भारतीय स्टेट बैंक रामपुर के क्षेत्रीय प्रबंधक संतोष कुमार के निर्देशन में भारतीय स्टेट बैंक स्वर शाखा के प्रबंधक अखिलेश कुमार अपने सहयोगियों के साथ विद्यालय पहुंचे। विद्यालय की स्वच्छता व्यवस्था से प्रभावित होकर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छता मिशन को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से 16 कक्षाओं के लिए दो-दो ढक्कनयुक्त कूड़ेदान प्रदान किए। इस दौरान कक्षा प्रमुख भैया-बहनों को कूड़ेदान सौंपकर विद्यालय को स्वच्छ एवं गंदगी मुक्त रखने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य पंडित विनोद कुमार मिश्रा ने बैंक अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय में स्वच्छता बनाए रखने के लिए दिया गया यह सहयोग सराहनीय है। बैंक की ओर से दोनों विद्यालयों के आचार्य, दीदी, कर्मचारी, चौकीदार एवं सफाईकर्मियों को दीपावली के अवसर पर मिष्ठान भी वितरित किया गया। इस अवसर पर ब्रजकिशोर मौर्य, उमेश कुमार, धर्मेंद्र सिंह, गौरव सिंह, सुनील कुमार, संजय सिंह, प्रेमपाल, प्रकाश बाबू, विजेंद्र सिंह, दिलीप सिंह, नरोत्तम मौर्य, लक्ष्मण प्रसाद, सुनीता रानी मौर्य, अंजली मौर्य, पूजा टैगोर, विनीता, नीलम देवी, क्रांति लोधी, उषा पाल एवं कलावती सहित विद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

बेसहारा बुजुर्गों की सेवा के लिए आगे आए राजेश यादव। वृद्धाश्रम ग्वारखेड़ा को दिए 25 हजार रुपये

@ क्यूँ न लिखूँ सच





बिलारी । मानवता और बुजुर्गों की सेवा के प्रति संवेदनशीलता का परिचय देते हुए समाजवादी पार्टी से बिलारी विधानसभा के संभावित प्रत्याशी राजेश यादव ने वृद्धाश्रम ग्वारखेड़ा की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए 25,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। इस अवसर पर उनके दामाद एवं हरिमंगल डिग्री कॉलेज के प्रबंधक अजय यादव, उनकी धर्मपत्नी एवं पूर्व ब्लॉक प्रमुख बिलारी श्रीमती राजेश्वरी यादव, उनके पुत्र पीयूष यादव एवं पुत्रवधू नेहा यादव सहित पूरा परिवार वृद्धाश्रम ग्वारखेड़ा पहुंचा।परिवार के सदस्यों ने आश्रम में निवास कर रहे बुजुर्गों को फलाहार कराया, फूल-मालाएं पहनाकर उनका सम्मान किया और सभी बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान परिवार ने बुजुर्गों के साथ समय बिताया और उनके जीवन से जुड़ी परिस्थितियों को करीब से जाना। राजेश यादव ने कहा कि वृद्धाश्रम ग्वारखेड़ा ऐसी जगह है, जहां जीवन के अंतिम पड़ाव में अनेक बुजुर्ग अपनों से दूर होकर जीवन व्यतीत कर रहे हैं। जिन माता-पिता को अपने परिवार का सहारा मिलना चाहिए, उनमें से कई आज सहारे की तलाश में यहां रह रहे हैं। ऐसे बुजुर्गों की सेवा और उनके रहने की व्यवस्था को बेहतर बनाने का प्रयास अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने वृद्धाश्रम के संस्थापक एवं संचालक रोहन देव सामाजिक के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया और 25 हजार रुपये का सहयोग प्रदान कर समाज के सामने एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया। वृद्धाश्रम के संस्थापक रोहन देव सामाजिक ने पूरे परिवार का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज में ऐसे संवेदनशील परिवारों की आवश्यकता है, जो बुजुर्गों की पीड़ा को समझें और उनकी खुशियों में अपनी खुशियां तलाशें। आर्थिक सहयोग से केवल व्यवस्थाएं ही बेहतर नहीं होतीं, बल्कि सेवा के इस संकल्प को भी नई ऊर्जा मिलती है। जिन माता-पिता ने पूरी जिंदगी अपने परिवार को संवारने में लगा दी, उनके जीवन के अंतिम पड़ाव पर उन्हें सम्मान, प्रेम और सहारे की आवश्यकता है। आइए, हम सब मिलकर बुजुर्गों के चेहरे पर मुस्कान लाने का संकल्प लें।

दीपावली पर रंगोली और दीप सज्जा प्रतियोगिता में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा









@ क्यूँ न लिखूँ सच

बिलारी। दीपावली के पावन पर्व के उपलक्ष्य में शुक्रवार को लक्ष्मण सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बिलारी में रंगोली एवं दीप सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्राओं ने आकर्षक रंगोलियां बनाकर और दीपों को सुंदर ढंग से सजाकर अपनी रचनात्मकता एवं कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन कर किया गया।

प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुरादाबाद महानगर प्रचारक अभिषेक, जिला शारीरिक शिक्षण प्रमुख रोहित, प्रीति डूडेजा एवं सुहानी और श्रद्धा उपस्थित रहीं। विद्यालय के प्रधानाचार्य रामवीर सिंह ने अतिथियों का परिचय कराते हुए उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया।प्रतियोगिता के आयोजन में विद्यालय की आचार्या विधि शर्मा, सोनी चंद्रा, ऋतु शर्मा एवं रजनी अग्रवाल का विशेष योगदान रहा। छात्राओं ने विभिन्न रंगों से आकर्षक रंगोलियां बनाईं तथा दीपों को कलात्मक ढंग से सजाया। रंग-बिरंगी रंगोलियों और दीपों से विद्यालय परिसर जगमगा उठा। इस अवसर पर प्रधानाचार्य रामवीर सिंह ने सभी अतिथियों एवं विद्यालय परिवार को पंचदिवसीय दीपोत्सव की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय प्रबंधक श्रीकांत गुप्ता, कोषाध्यक्ष सचिन गुप्ता एवं अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार चुग ने विद्यालय के समस्त आचार्य एवं आचार्याओं को मिठाई और उपहार भेंट कर दीपावली की बधाई दी। कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं को भारतीय संस्कृति, परंपराओं एवं कलात्मक अभिव्यक्ति से जुड़ने का अवसर मिला।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

जनगणना में DM का कड़ा रुख- 40 सवालों में न मांगें कोई दस्तावेज, लापरवाही पर नपेंगे अफसर

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली।(ब्यूरो) । जनगणना के दूसरे चरण की तैयारियों को परखने शुक्रवार को जिलाधिकारी अविनाश सिंह अचानक मीरगंज स्थित स्वामी दयानंद डिग्री कॉलेज पहुंचे। वहां चल रहे प्रगणकों और सुपरवाइजरों के प्रशिक्षण का जायजा लेते हुए उन्होंने साफ निर्देश दिए कि राष्ट्रीय महत्व के इस कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। डीएम ने स्पष्ट किया कि तय प्रश्नावली के तहत कुल 40 सवाल पूछे जाने हैं। प्रगणक किसी भी नागरिक से कोई दस्तावेज या प्रमाण पत्र नहीं मांगेंगे। जनगणना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है; कोई भी कर्मचारी ड्यूटी कटवाने या टालने की कोशिश न करे। स्व-गणना पर जोर् युवाओं और आमजन को सेल्फ एन्यूमरेशन (स्व-गणना) के प्रति जागरूक करने के लिए डिग्री कॉलेजों में अभियान चलाया जाए। निरीक्षण के बाद जिलाधिकारी ने जनगणना जागरूकता प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (फतेहगंज पश्चिमी) की छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक पेश कर लोगों को जनगणना में सक्रिय भागीदारी का संदेश दिया। मौके पर एसडीएम निधि शुक्ला सहित तहसील व प्रशिक्षण से जुड़े अधिकारी मौजूद रहे।

केसर मिल ने जारी किए 11.33 करोड़, किसानों की दिवाली हुई रोशन

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली।(ब्यूरो) बहेड़ी । तहसील बहेड़ी के गन्ना किसानों के लिए दिवाली से पहले बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। केसर चीनी मिल पर पिछले दो वर्षों से लंबित करोड़ों रुपये के बकाये को लेकर प्रशासन का कड़ा रुख आखिरकार रंग लाया। जिला प्रशासन के कड़े अल्टीमेटम के बाद मिल प्रबंधन ने किसानों के भुगतान के लिए 11.33 करोड़ रुपये की धनराशि गन्ना विभाग के एस्क्रो अकाउंट में जारी कर दी है। गन्ना समिति के माध्यम से यह रकम सीधे किसानों के खातों में भेजी जा रही है। ?सील और नीलामी की चेतावनी से बैकफुट पर आया प्रबंधन किसानों के 162 करोड़ रुपये के कुल बकाये को लेकर जिलाधिकारी बरेली के निर्देश पर प्रशासनिक अमला हरकत में आया था। एसडीएम बहेड़ी, एसडीएम नवाबगंज, सीओ और जिला गन्ना अधिकारी भारी पुलिस बल और राजस्व टीम के साथ सीधे मिल के प्रशासनिक भवन पहुंचे। अधिकारियों ने मिल प्रबंधन को दो-टूक चेतावनी दी कि यदि समय रहते व्यवस्था नहीं हुई, तो प्रशासनिक भवन और आवासों को सील कर नीलामी की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। प्रशासन के इस कड़े रुख के बाद मिल के सीएमडी ने तत्काल 11.33 करोड़ रुपये जारी करने पर सहमति जताई। ?किसानों में खुशी की लहर, प्रशासन का जताया आभार त्योहार से ठीक पहले खाते में पैसा आने की खबर से क्षेत्र के किसानों में उत्साह का माहौल है। किसानों ने जिला व तहसील प्रशासन की सख्ती की सराहना करते हुए कहा कि यदि प्रशासन इतना सख्त रुख न अपनाता, तो भुगतान संभव नहीं था। इस फैसले से अन्नदाता के घरों में दिवाली की खुशियां दोगुनी हो गई हैं।

दीपावली पर दीप सज्जा प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

बिलारी । अमरपुरकाशी स्थित श्रीमती मीरा अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में दीपावली के शुभ अवसर पर दीप सज्जा प्रतियोगिता का



आयोजन किया गया। इसमें कक्षा पांच से आठ तक के भैया-बहनों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। विद्यार्थियों ने आकर्षक ढंग से दीपकों को सजाकर अपनी रचनात्मकता एवं कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में अमरपुरकाशी चौकी प्रभारी विनीत कुमार एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य भानु प्रताप गंगवार ने भूमिका निभाई। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन आचार्या दीपांशी के निर्देशन में किया गया। इस अवसर पर ऋषिपाल सिंह, पद्मेंद्र सिंह यादव, राकेश कुमार, वीरेश यादव, ओमकार मौर्य, गजेंद्र सिंह, कशिश गंगवार, दीक्षा कुमारी, कंचन यादव, प्रीति शर्मा, कुसुम लता सैनी, जग रोशनी एवं गीता यादव सहित विद्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा।

नगर पालिका कर्मियों के साथ दीपावली की खुशियां साझा कर चेयरमैन ने बांटी मिठाई



बिलारी @ क्यूँ न लिखूँ सच । दीपावली के पावन पर्व पर नगर पालिका परिषद बिलारी के चेयरमैन रघुराज सिंह यादव ने पालिका के अधिकारियों, कर्मचारियों, सफाई नायकों एवं सफाई कर्मचारियों को मिठाई वितरित कर दीपावली की खुशियां साझा कीं और सभी को पर्व की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर चेयरमैन ने कहा कि नगर की स्वच्छता, सुंदरता और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने में नगर पालिका के सभी अधिकारी-कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। विशेष रूप से सफाई कर्मचारी पूरी मेहनत और लगन से नगर को स्वच्छ रखने तथा नगरवासियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने में योगदान देते हैं। उन्होंने सभी कर्मचारियों एवं उनके परिवारों के सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हुए कहा कि दीपावली का पर्व सभी के जीवन में खुशहाली और नई ऊर्जा लेकर आए। इस दौरान नगर पालिका के अधिकारी, कर्मचारी, सफाई नायक एवं सफाई कर्मचारी मौजूद रहे।

एसएमएस वैद्यजी स्कूल में दीप निर्माण, कंडील निर्माण एवं रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन



@ क्यूँ न लिखूँ सच

बिलारी । एसएमएस वैद्यजी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शुक्रवार को दीपावली के अवसर पर दीप निर्माण, कंडील निर्माण एवं रंगोली निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए अपनी रचनात्मक एवं कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

बच्चों ने आकर्षक दीपक, सुंदर कंडील तथा मनमोहक रंगोलियां बनाकर सभी का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रबंधक गोपाल कृष्ण भारद्वाज, निदेशक डॉ. अभिषेक भारद्वाज तथा नगर के अनेक अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन एवं संचालन प्रधानाचार्य मनोज तिवारी तथा उपप्रधानाचार्य आरसी शर्मा के कुशल निर्देशन में किया गया।

निर्णायक मंडल में विशाल वर्मा, अर्चना शर्मा, सोनिया चंद्रा एवं कशिश सक्सेना शामिल रहे।इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक एवं प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा

कि इस प्रकार के रचनात्मक कार्यक्रमों से बच्चों का बौद्धिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास होता है। साथ ही उन्हें अपनी धर्म, संस्कृति एवं परंपराओं के प्रति जागरूक होने की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की रचनात्मकता एवं उत्साह की सराहना की गई।

पूजा अर्चना के साथ लक्ष्मी जी शुगर मिल का पेराई सत्र शुरू, सबसे पहले तौल कराने वाले तीन किसान हुए सम्मानित



@ क्यूँ न लिखूँ सच

बिलारी । लक्ष्मी जी शुगर मिल्स कंपनी लिमिटेड में वर्तमान पेराई सत्र का शुभारंभ हवन पूजन के साथ किया गया। चीनी मिल के पुरोहित पंडित दिनेश चंद्र सती ने विशेष हवन और पूजन कराया। गुरुद्वारे में अभी पाठ किया गया।

इसके उपरांत परंपरा के अनुसार बैलगाड़ी में गन्ना लेकर आए वीरेंद्र सिंह बहादुरपुर, टिपलर में गन्ना लेकर आए बैंकार सिंह मलीपुर महमूदानगला, ट्रॉली में गन्ना लेकर आए तेवर खास गांव के अता हुसैन को परंपरा अनुसार उपहार देकर सम्मानित किया गया सबसे पहले इन तीनों के गन्ना लदे वाहनों को तौला गया।

सत्र के उद्घाटन में स्थानीय सपा विधायक मोहम्मद फहीम इरफान, हाजी मोहम्मद उस्मान एडवोकेट के अलावा राणा उद्योग समूह के अध्यक्ष राणा रंजीत सिंह, डायरेक्टर प्रीत इंदर सिंह,किरण कौर,राणा राजवंश कौर पूर्व विधायक कपूरथला पंजाब, चीनी मिल के उपाध्यक्ष सुभाष खोखर, प्रशासनिक हेड देवेश शर्मा, डीजीएम लेखा अनिल कुमार मिश्रा,जीम केन गिरीश चाहल, प्रवीण राठी, टेक्निकल हेड अमित खड़गा के अलावा गन्ना विकास परिषद के ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक संजीव कुमार,सहकारी गन्ना विकास समिति के सचिव हसमुल हसन, गन्ना समिति बोर्ड के अध्यक्ष विजयपाल सिंह, उपाध्यक्ष आराम सिंह यादव, डायरेक्टर नरेश कुमार सिंह, कृष्ण कुमार कश्यप, अमित यादव भी मौजूद रहे। इन सभी ने मिल की चेन में गन्ना डालकर पेराई सत्र का शुभारंभ किया।

विद्यालय में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया पंचदिवसीय दीपोत्सव, शहीदों के नाम जलाए दीप

समोदिया रामपुर @ क्यूँ न लिखूँ सच । रुस्तम नगर स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पंचदिवसीय दीपोत्सव के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्या भारती से संबद्ध जन शिक्षा समिति पश्चिम उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित विद्यालय में वंदना सभा के बाद 'एक दीप देश के शहीदों के नाम' कार्यक्रम श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस दौरान देश के महापुरुषों, क्रांतिकारियों एवं राष्ट्रनायकों को दीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य पंडित विनोद कुमार मिश्रा ने विद्यार्थियों को पंचदिवसीय दीपोत्सव के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि धनतेरस को भगवान धन्वंतरि के प्राकट्य दिवस और आयुर्वेद दिवस के रूप में मनाया जाता है। नरक चतुर्दशी भगवान श्रीकृष्ण द्वारा नरकासुर के अंत का प्रतीक है। दीपावली भगवान श्रीराम के



14 वर्ष का वनवास पूर्ण कर अयोध्या लौटने की स्मृति में मनाई जाती है। इस अवसर पर अयोध्यावासियों ने दीप जलाकर उनका स्वागत किया था। उन्होंने गोवर्धन पूजा, अन्नकूट एवं भैया दूज पर्व की परंपराओं और उनके महत्व पर भी प्रकाश डाला। 'एक दीप देश के शहीदों के नाम' कार्यक्रम के अंतर्गत संघ संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार, द्वितीय सरसंघचालक माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर, भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, क्रांतिकारी भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, सिखों के प्रथम गुरु गुरु नानक देव तथा वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के चित्रों के समक्ष आकर्षक रंगोली सजाई गई। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए गमलों में सुगंधित पुष्प सजाए गए। वंदना प्रमुख बहनों ने रुई की बातियां तैयार कर मिट्टी के दीपकों में देसी घी से श्रद्धा का दीप प्रज्वलित किया। सभी ने सामूहिक रूप से पूजन कर दीपांजलि एवं पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान दीपावली से संबंधित प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई।कार्यक्रम में उपप्रधानाचार्य ब्रजकिशोर मौर्य, नरोत्तम सिंह मौर्य, कार्यालय प्रमुख उमेश कुमार, पर्यावरण प्रमुख सुनीता रानी मौर्य, रंगोली एवं साज-सज्जा प्रमुख अंजली मौर्य, वंदना प्रमुख पूजा टैगोर, विनीता, विजेंद्र सिंह, दिलीप कुमार, सुनील कुमार, संजय सिंह, गौरव सिंह, प्रेमपाल, प्रकाश बाबू, अलवीरा, गीता मौर्य, सोनाक्षी, आकृति गंगवार एवं कमल मौर्य सहित विद्यालय परिवार के सदस्यों ने सहभागिता की। विद्यालय प्रबंधक ख्यालीराम लोधी के निर्देशन में सभी आचार्यों, दीदी, कर्मचारियों एवं निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों को मिष्ठान वितरित किया गया। साथ ही सभी को विद्यालय की ओर से उपहार स्वरूप वेश भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति, सांस्कृतिक चेतना एवं महापुरुषों के प्रति सम्मान की भावना का

संक्षिप्त समाचार

प्रस्तावित आयुष एवं आयुर्वेदिक अस्पताल की भूमि पर निर्माणाधीन कक्ष का नागरिक परिषद के कार्यकर्ताओं ने किया निरीक्षण

बिलारी @ क्यूँ न लिखूँ सच । शाहबाद रोड स्थित बाबा लक्ष्मण दास की मणि पर प्रस्तावित आयुष एवं आयुर्वेदिक अस्पताल की भूमि पर बिलारी विधायक की निधि से बनवाए जा रहे एक कक्ष के निर्माण कार्य का नागरिक परिषद के कार्यकर्ताओं ने भ्रमण कर जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति देखी और अस्पताल की स्थापना से क्षेत्र के लोगों को मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर चर्चा की। इस मौके पर डॉ. झरना रफीक, डॉ. जितेंद्र दक्ष, रंजीत यादव, पूर्व सभासद कासिम अंसारी, अली जान, अब्दुल कादिर, राशिद, एहसन रजा, तिलक राज चांदना आदि मौजूद रहे।





मिशन शक्ति फेज-6 के तहत रंगोली प्रतियोगिता में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

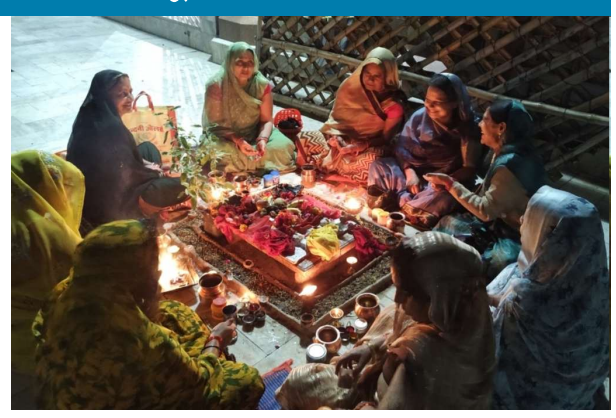
बिलारी @ क्यूँ न लिखूँ सच । नगलिया जट स्थित पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज में मिशन शक्ति फेज-6 के अंतर्गत रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर अपनी कलात्मक प्रतिभा और रचनात्मक सोच का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्राओं में सृजनात्मकता, आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करना रहा। प्रतियोगिता में ज्योति, राधिका और दीक्षा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। तुलसी, कोमल, मुस्कान और अमनचिका द्वितीय स्थान पर रहीं, जबकि अल्का, आरती, दिविका और अदिति ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर विजेता छात्राओं को बधाई दी गई तथा सभी प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना की गई। विद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से बालिकाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिला। कार्यक्रम का समापन बालिकाओं को सशक्त, आत्मविश्वासी और आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प के साथ हुआ।



कार्तिक मास में भगवान श्रीकृष्ण की आराधना में जुटीं महिलाएं

ब्रह्म मुहूर्त में मंदिरों में गूंज रहे भजन-कीर्तन

@ क्यूँ न लिखूँ सच



कोंच (जालौन) (राजेंद्र विश्वकर्मा)कार्तिक मास के पावन अवसर पर नगर में धर्म और भक्ति का माहौल बना हुआ सुबह चार बजे से ही महिलाएं ब्रह्म मुहूर्त में स्नान कर भगवान श्रीकृष्ण की आराधना और पूजन-अर्चन में जुटी नजर आईं पूरे माह चलने वाले कार्तिक व्रत को लेकर महिलाओं में विशेष उत्साह और श्रद्धा देखने को मिल रही है।

कार्तिक मास में महिलाएं प्रतिदिन सुबह स्नान कर मंदिरों में पहुंच रही हैं और विधि-विधान से भगवान श्रीहरि एवं भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना कर रही हैं नगर के नरसिंह मंदिर बड़ी माता मंदिर धनुतालाब स्थित काली माता मंदिर सिंह वाहिनी मंदिर सहित विभिन्न मंदिरों में सुबह से ही महिलाओं की भीड़ उमड़ रही है महिलाएं सामूहिक रूप से भजन-कीर्तन कर भगवान का स्मरण कर रही हैं मान्यता के अनुसार कार्तिक स्नान करने वाली महिलाएं पूरे महीने व्रत रखती हैं और कार्तिक मास की कथा सुनने के बाद अपना व्रत खोलती हैं। पंडित बृजनंदन तिवारी खेरी वाले ने बताया कि कार्तिक मास का व्रत कठिन तप और साधना का प्रतीक माना जाता है इस दौरान व्रतधारी महिलाएं प्रतिदिन ब्रह्म मुहूर्त में सुबह चार बजे से भगवान की आराधना करती हैं पूजन-अर्चन के बाद भगवान को माखन-मिश्री का भोग अर्पित किया जाता है उन्होंने बताया कि पुराणों के अनुसार कार्तिक मास भगवान श्रीकृष्ण को अत्यंत प्रिय है इस माह में श्रद्धा और विधि-विधान से भगवान की पूजा-अर्चना करने वाले भक्तों को सुख-समृद्धि और पुण्य की प्राप्ति होती है। कार्तिक मास के चलते नगर के मंदिरों में सुबह के समय धार्मिक गतिविधियां बढ़ गई हैं व्रतधारी महिलाएं पूरे उत्साह और आस्था के साथ इस धार्मिक परंपरा का निर्वहन कर रही हैं पूजन में सुमन राय अनिता नामदेव वंदना श्रीवास्तव कल्पना तिवारी अनिता केवट सहित अन्य महिलाएं शामिल रहीं।

सेवा संकल्प के तहत पूर्व प्रधान ने दीपावली पूर्व वांटे 111 सामान किट

@ क्यूँ न लिखूँ सच

कोंच (जालौन) (राजेंद्र विश्वकर्मा) पिछले वर्ष भी 90 परिवारों को 11/11 हजारे रुपये देकर पूर्व प्रधान ने विधवा महिलाएं व दिव्यांगजनों को देकर खुशियां बांटते हुए दीपावली पर्व पर उनके जीवन में रोशनी लाने का कार्य किया था उसी सेवा संकल्प के तहत इस वर्ष भी दीपावली के पूर्व दिन को ग्राम अंडा में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व प्रधान ओमकार दुवेदी पुत्र श्रीराम दुवेदी ने दीपावली के अवसर पर करीब 11 सौ रुपये लागत की सामान किट जिसमें डालडा तेल बेसन साबूदाना अगरबत्ती नमक आदि दैनिक उपयोग की आवश्यक सामग्री भेंट की और उनके साथ दीपावली की खुशियां सांझा की इस दौरान पूर्व प्रधान ने बताया कि अपने पूर्वजों व बुजुर्गों के आशीर्वाद से धर्म के मार्ग पर चलते हुए निश्वार्थ भाव से सेवा करते रहेंगे और जो हमने संकल्प लिया है उसमें जरूरत मंदों के चेहरों पर खुशियां लाना उनका दृण निश्चय है जिसके तहत इस वर्ष 111 लोगों को सामान नहीं अपितु सम्मान किट भेंट की है इस अवसर पर शिवाजी गोस्वामी रामबाबू निरंजन श्याम तिवारी रामू बघेली सचिन मृदुल टिक्कू सुंदरम सहित तमाम लोग मौजूद रहे वही सम्मान किट पाने बालों में सुभाष अहिरवार सुरेश शिवचरण बर शोभा लाल गेंदालाल राजकुमार राजेश्वरी फुल रानी सरस्वती लीलावती देवी नीलम शीला सरोज आदि जरूरत मंद मौजूद रहे।

धनतेरस पर्व के दृष्टिगत अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा भिनगा में किया गया पैदल गस्त

@ क्यूँ न लिखूँ सच



दिल्ली (अरविंद कुमार यादव) धनतेरस पर्व को सकुशल शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक श्रावस्ती राहुल भाटी के निर्देशन में जनपद पुलिस द्वारा सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक चंद्रकेश सिंह द्वारा कोतवाली भिनगा अंतर्गत कस्बा भिनगा के प्रमुख बाजारों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में पैदल ग्रस्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया इस दौरान आमजन एवं व्यापारियों से संवाद स्थापित कर उन्हें सुरक्षा भरोसा दिलाया गया तथा धनतेरस एवं आगामी दीपावली पर्व को आपसी भाईचारे एवं सौहार्द के साथ मनाने की अपील की गई पैदल ग्रस्त के दौरान संबंधित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बाजार में निरंतर भ्रमणशील रहने संदिग्ध व्यक्तियों एवं गतिविधियों पर सतर्क दृष्टि रखने भीड़ भाड़ वाले स्थान पर विशेष निगरानी रखने तथा यातायात व्यवस्था सुचार बनाए रखने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए श्रावस्ती पुलिस आमजन की सुरक्षा एवं धनतेरस दीपावली सहित आगामी त्यौहारों को शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न करने हेतु पूर्णतया प्रतिबद्ध है इस दौरान कोतवाली भिनगा के पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी गण मौजूद रहे

दीपावली पर माटी शिल्पियों को मिलेगी बड़ी राहत, हाट-बाजारों में निःशुल्क मिलेगी जगह, नहीं लगेगा कोई टैक्स

@ क्यूँ न लिखूँ सच



शिवपुरी। दीपावली पर्व पर पारंपरिक माटी शिल्पियों एवं कुम्हार समुदाय को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा द्वारा जारी आदेश के तहत जिले के नगरीय निकायों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में लगने वाले हाट-बाजारों में मिट्टी के उत्पाद बेचने वाले कारीगरों को निःशुल्क स्थान उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही उनसे किसी भी प्रकार का कर (टैक्स) भी नहीं वसूला जाएगा।जिले में कुम्हार समुदाय के पारंपरिक कारीगर मिट्टी से निर्मित दीपक, मूर्तियां, खिलौने, सरैया, मटके एवं विभिन्न सजावटी वस्तुओं का निर्माण करते हैं। इन उत्पादों की बिक्री ही अनेक परिवारों की आजीविका का प्रमुख साधन है। त्योहारों के अवसर पर इन शिल्पियों को आर्थिक संबल प्रदान करने और उनके उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन ने यह पहल की है।

स्थानीय निकायों एवं ग्राम पंचायतों को दिए निर्देश-कलेक्टर अर्पित वर्मा ने जिले के सभी नगरीय निकायों एवं ग्रामीण क्षेत्रों के स्थानीय प्रशासन को निर्देशित किया है कि हाट-बाजारों और निर्धारित बाजार स्थलों पर माटी शिल्पियों के बैठने के लिए उचित एवं सुगम व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इससे कारीगरों को अपने उत्पादों की बिक्री के लिए बेहतर अवसर मिलेगा और आमजन भी स्थानीय कारीगरों द्वारा निर्मित पारंपरिक मिट्टी के उत्पाद आसानी से खरीद सकेंगे।

जिला प्रशासन की इस पहल से न केवल पारंपरिक माटी कला को प्रोत्साहन मिलेगा, बल्कि दीपावली के अवसर पर कुम्हार परिवारों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में भी मदद मिलेगी।

दीपावली से पहले मिठाई दुकानों पर प्रशासन की जांच, कोलारस की रतना स्वीट्स से मिठाइयों के सैंपल लिए

@ क्यूँ न लिखूँ सच



शिवपुरी। दीपावली पर्व के मद्देनजर बाजारों में मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने और आमजन को शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन ने जांच अभियान तेज कर दिया है। कलेक्टर अर्पित वर्मा के निर्देश पर राजस्व एवं खाद्य सुरक्षा विभाग की संयुक्त टीम द्वारा जिले में खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया जा रहा है।इसी क्रम में शुक्रवार को कोलारस स्थित रतना स्वीट्स मिठाई प्रतिष्ठान का निरीक्षण तहसीलदार मनीषा मिश्रा एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी विष्णुदत्त शर्मा द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान दीपावली के लिए तैयार की जा रही मिठाइयों की गुणवत्ता का परीक्षण किया गया। साथ ही विभिन्न प्रकार की मिठाइयों के नमूने लेकर जांच के लिए संग्रहित किए गए।त्योहारी सीजन में मिठाइयों एवं अन्य खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ने के कारण मिलावट की आशंका को देखते हुए प्रशासन द्वारा विशेष सतर्कता बरती जा रही है। खाद्य सुरक्षा विभाग को नियमित रूप से मिठाई दुकानों एवं अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर नमूने लेने के निर्देश दिए गए हैं।कलेक्टर अर्पित वर्मा ने स्पष्ट किया है कि जिले में मिलावटी खाद्य पदार्थों के विक्रय पर प्रभावी रोक लगाने के लिए जांच अभियान लगातार जारी रहेगा। नियमों का उल्लंघन कर मिलावटी खाद्य सामग्री बेचने वालों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

स्वामित्व योजना के तहत 250 से अधिक रजिस्ट्रियां पूर्ण कराने वाले आठ पटवारियों को कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने प्रमाण पत्र प्रदान कर किया सम्मानित

@ क्यूँ न लिखूँ सच



विदिशा (हाकम सिंह रघुवंशी) जिले में स्वामित्व योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं पात्र हितग्राहियों को भूमि स्वामित्व अधिकारों का लाभ दिलाने के लिए किए जा रहे कार्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले आठ पटवारियों को कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज अपने चेम्बर में प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित सम्मान कार्यक्रम में 250 से अधिक स्वामित्व रजिस्ट्रियां पूर्ण कराने वाले पटवारियों के कार्यों की सराहना की गई।

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता द्वारा कार्यों की नियमित समीक्षा एवं मैदानी स्तर पर प्रगति को गति देने के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों का सम्मान भी इसी पहल का हिस्सा है। उन्होंने सम्मानित पटवारियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर उनके योगदान की सराहना की है।

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने कहा कि स्वामित्व योजना ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी भूमि पर निवासरत परिवारों को उनकी संपत्ति का विधिवत अधिकार उपलब्ध कराने की महत्वपूर्ण पहल है। इस दिशा में मैदानी स्तर पर पटवारियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से कार्य पूर्ण कराना और अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ दिलाना प्रशासन की प्राथमिकता है।

गौरतलब हो कि 5 नवंबर की प्रगति रिपोर्ट के अनुसार जिले में आठ पटवारियों ने 250 से अधिक स्वामित्व रजिस्ट्रियां पूर्ण कर उल्लेखनीय कार्य किया है। इनमें शमशाबाद तहसील के पटवारी श्री मनीष कुमार सरवैया ने 418 तथा श्रीमती राखी बाजपेयी ने 304 रजिस्ट्रियां पूर्ण की हैं। कुरवाई तहसील के पटवारी श्री मोहित सिंह परमार ने 346, सिरोंज तहसील के श्री विकास कुमार श्रीवास्तव ने 306 एवं श्री नरेन्द्र बैरागी ने 273, नटेरन तहसील के श्री शिवेन्द्र सिंह पंवार ने 284, विदिशा तहसील के श्री नितिन कुमार पंथी ने 276 तथा त्योंदा तहसील के श्री शैलेश कुमार गायकवाड़ ने 269 स्वामित्व रजिस्ट्रियां पूर्ण की हैं।

अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि इन पटवारियों द्वारा कुल 3,263 स्वामित्व रजिस्ट्रियां पूर्ण की गई हैं। इनके कार्यक्षेत्र में कुल 5,334 हितग्राही एवं 5,445 भूखंड दर्ज हैं। यह उपलब्धि मैदानी अमले की सक्रियता, सतत प्रयासों और योजना के क्रियान्वयन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

उल्लेखनीय है कि जिले में स्वामित्व योजना के अंतर्गत पात्र ग्रामीण परिवारों को उनकी आबादी भूमि का अधिकार अभिलेख उपलब्ध कराने के लिए अभियान के रूप में कार्य किया जा रहा है।

विधायक सूर्य प्रकाश मीणा एवं एसडीएम तहसीलदार द्वारा सतीषी खेजड़ा में स्वामित्व योजना कार्यक्रम संपन्न

@ क्यूँ न लिखूँ सच



विदिशा (हाकम सिंह रघुवंशी) स्वामित्व योजना से ग्रामीणों को मिल रहा जमीन का कानूनी मालिकाना हक, ग्राम खेजड़ा सतीशी में शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण विधायक सूर्यप्रकाश मीणा ने ग्रामीण को सौंपी अंतिम रजिस्ट्री, नटेरन तहसील के 84 गांवों में 11 हजार से अधिक परिवारों को मिलेगा निःशुल्क मालिकाना अधिकार , विधानसभा क्षेत्र शमशाबाद के नटेरन तहसील के ग्राम सतीषी खेजड़ा, मध्यप्रदेश शासन की महत्वाकांक्षी स्वामित्व योजना ग्रामीणों को उनकी आवासीय भूमि का वैधानिक मालिकाना हक दिलाने के साथ आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसी क्रम में विदिशा जिले की नटेरन तहसील के ग्राम खेजड़ा सतीशी में स्वामित्व योजना के तहत रजिस्ट्री का शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण कर लिया गया है। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में ग्राम में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक श्री सूर्यप्रकाश मीणा ने ग्राम की अंतिम रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूर्ण कर हितग्राही को दस्तावेज सौंपे तथा शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति की घोषणा की।कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुविभागीय अधिकारी श्री अजय पाठक ने की। उन्होंने योजना की जानकारी देते हुए बताया कि स्वामित्व योजना के माध्यम से ग्रामीण आबादी क्षेत्र में निवासरत परिवारों को उनके आवासीय भूखंडों का निःशुल्क पंजीयन कराकर वैधानिक मालिकाना अधिकार प्रदान किए जा रहे हैं। इससे ग्रामीणों को अपनी संपत्ति का आधिकारिक दस्तावेज प्राप्त हो रहा है। योजना में आधुनिक डिजिटल तकनीक का उपयोग करते हुए अधिकार पत्र एवं रजिस्ट्री से संबंधित प्रमाण पत्र सीधे हितग्राहियों के मोबाइल फोन पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। ग्रामीण इन्हें डाउनलोड कर सुरक्षित रखने के साथ विभिन्न शासकीय एवं वित्तीय कार्यों में उपयोग कर सकते हैं।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्री सूर्यप्रकाश मीणा ने कहा कि स्वामित्व योजना ग्रामीण परिवारों को उनकी संपत्ति का कानूनी अधिकार दिलाने की महत्वपूर्ण पहल है। अब ग्रामीण अपनी जमीन के विधिवत भूमि स्वामी बन रहे हैं। भूमि का वैध दस्तावेज उपलब्ध होने से उन्हें बैंक से ऋण प्राप्त करने, स्वरोजगार एवं छोटे व्यवसाय स्थापित करने तथा अपनी आमदनी बढ़ाने के नए अवसर मिल सकेंगे। उन्होंने कहा कि योजना से ग्रामीणों की संपत्ति संबंधी सुरक्षा मजबूत होगी और आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।ग्राम खेजड़ा सतीशी में निर्धारित लक्ष्य को समय-सीमा में पूर्ण करने पर राजस्व विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सराहना की। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए पूरी राजस्व टीम को बधाई देते हुए कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है।नटेरन तहसीलदार श्री पीयूष जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि नटेरन तहसील के कुल 84 ग्रामों में स्वामित्व योजना के अंतर्गत 11 हजार से अधिक निःशुल्क रजिस्ट्रियों का कार्य संचालित किया जा रहा है। इसके माध्यम से हजारों ग्रामीण परिवारों को उनके आवासीय भूखंडों का वैधानिक मालिकाना हक उपलब्ध कराया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

नवाबगंज मंडल में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ जिला मंत्री आलोक जिन्दल ने मनाई दीपावली, एक-दूसरे को दी शुभकामनाएं और बांटी मिठाई

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बहराइच। विधानसभा मटेरा के नवाबगंज मंडल में दीपावली के पावन अवसर पर मंडल के सभी शक्ति केंद्र संयोजकों एवं कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को दीपावली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं के बीच मिठाई का वितरण कर आपसी भाईचारे और उत्साह के साथ त्योहार मनाया गया। कार्यक्रम का संचालन मंडल महामंत्री पिंटू गुप्ता ने किया, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष हर्षित सिंह विजय सिंह ने की। कार्यक्रम में मंडल के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने मिलकर दीपावली की खुशियां साझा कीं और संगठन की मजबूती तथा आपसी एकता का संदेश दिया।

आगामी प्रधानी चुनाव को लेकर मारपीट की घटना आई सामने मौजूदा प्रधान ने दी तहरीर

दिल्ली (अरविंद कुमार यादव) बीती रात थाना कोतवाली भिनगा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भगहा बाजार में पुरानी रंजिश व आगामी ग्राम प्रधान चुनाव को लेकर मारपीट की घटना सामने आई इस संबंध में संजय पांडे द्वारा 12 नामजद एवं 20 25 अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध घर में घुसकर लाठी डंडों एवं लोहे की राड से हमला करने के संबंध में तहरीर दी है घटना की सूचना प्राप्त होते ही प्रभारी निरीक्षक कोतवाली भिनगा एवं क्षेत्राधिकार नगर तत्काल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे साथ ही(QRT) टीम को भी तत्काल घटनास्थल पर भेजा गया

पुलिस अधिकारियों द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई की गई प्रकरण में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना कोतवाली भिनगा पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया है घटना से संबंधित वीडियो ग्राफी एवं उपलब्ध वीडियो फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है

अभियुक्तों को गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम का गठन किया गया है तथा गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किया जा रहे हैं घटनाक्रम की गहनता से जांच की जा रही है क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु पुलिस सतर्क है

नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप, युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

@ क्यूँ न लिखूँ सच

फतेहगंज पश्चिमी। थाना क्षेत्र के एक गांव के व्यक्ति ने रामपुर जिले के युवक पर अपनी नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाया है। पिता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच और नाबालिक की तलाश शुरू कर दी है।

पिता के मुताबिक, 28 अक्टूबर को दिन में करीब डेढ़ बजे उनकी 14 वर्षीय बेटी को रामपुर जिले के पटवाई थाना क्षेत्र के गांव जनकपुर निवासी नेपाल बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। काफी तलाश करने के बाद भी बेटी का कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद पिता ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शुक्रवार को शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। सीओ हाइवे देवेश सिंह ने बताया पीड़ित पिता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर दी है।जल्द नाबालिक की तलाश करके आरोपी के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

Can you travel on a train with a platform ticket? Keep these railway rules in mind to avoid fines.

Many passengers often remain unaware of the rules regarding platform tickets on Indian Railways. Indian railway stations are always bustling with passengers, but even more so are those dropping off or picking up loved ones. To control this massive crowd and ensure safety, the Railways have created a platform ticket system. We often purchase tickets to enter the station, but few people know the actual rules. Let's understand in detail the platform ticket rules that every common man should know. Expiry time is only 2 hours - Most people think that once a platform ticket is purchased, it will be valid for the entire day, but in reality, this is not the case. This ticket, available for just 10 rupees, has a lifespan of only 2 hours. According to information provided by Northern Railway, it becomes invalid exactly two hours after purchase. Therefore, avoid unnecessary delays at the station. Tickets may be refused if the station is full. You may be surprised to learn that platform tickets are not unlimited. The size of the station and its capacity determine the number of people allowed inside. If the crowd inside the station has already exceeded its limit, railway staff may flatly refuse to issue you a platform ticket. This rule was made with public safety in mind. Emergency Train Travel Convenience - One of the biggest and most significant advantages of a platform ticket is that it allows you to travel on the train. Yes, if you suddenly have to travel for some urgent work and don't have time to buy a ticket, you can board the train using this platform ticket. However, there is a way around this. As soon as you board the train, you must immediately find the TTE and obtain a ticket to your destination. During this time, your platform ticket will help the TTE prove which station you actually boarded the train from. Breaking the rules can lead to strict action. It's crucial to remember one thing: boarding a train with a platform ticket is only for emergencies; don't mistake it for a "shortcut" to save fare. Traveling without a valid ticket or intentionally cheating is a serious offense under the Indian Railways Act. If caught, you could face a fine of ?250 or double the fare. Depending on the circumstances, this fine can go up to ?1,260. Furthermore, deliberately attempting to defraud the railways could result in strict legal action. Therefore, always ensure you purchase the correct ticket and enjoy your journey without any stress.



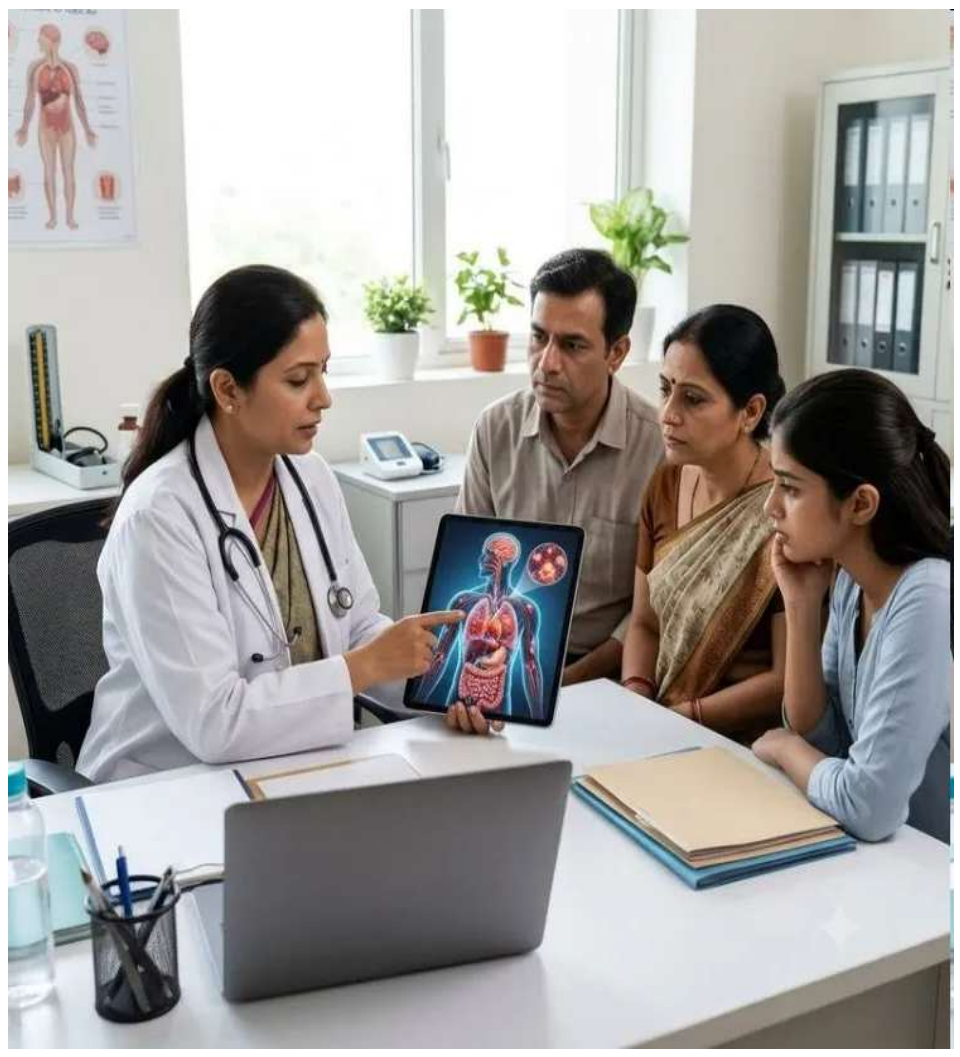
Does your makeup get patchy even after using expensive products? Follow these simple steps for a flawless glow.

To prevent patchy makeup during the festive season, it's essential to follow a few essential steps. The festive season is upon us, and every woman wants her makeup to look flawless. Makeup not only enhances beauty but also helps boost confidence. During festive occasions, every woman wants her face to look smooth, fresh, and flawless. However, it's often seen that even with the right products, makeup doesn't blend properly, leaving the skin looking patchy, or the glow disappearing within a short time. The biggest reason for this is not following the makeup steps correctly and in the right manner. If you want a natural glow and a perfect finish in minutes, be sure to follow these essential makeup steps. Tips for Flawless Makeup: Cleansing and Skin Prep: First, cleanse your face thoroughly with a mild face wash to remove dirt, sweat, and excess oil. After this, apply toner to tighten pores and give your skin a fresh feel. Now, apply moisturizer according to your skin type. Primer - Primer smooths skin texture and blurs fine lines and open pores. Apply a small amount to the T-zone, forehead, nose, and chin, then spread it gently across the entire face. This will prevent the foundation from looking patchy and give it a natural finish. Apply the right foundation - When choosing a foundation, pay special attention to your skin tone and undertone. Applying too heavy a foundation can make your face look artificial. A foundation with light or medium coverage is best for daily use. Concealer - Use concealer to hide dark circles, pigmentation, or acne marks. Apply concealer only to the desired area and blend it gently. Set makeup with powder - Setting makeup is essential for long-lasting makeup. Use a light, loose powder or compact powder. Pay particular attention to the T-zone, as this is where the most oil is produced. Blush, highlighter, and setting spray - Apply a light blush to your cheeks to add a natural glow and color. Then, dab a little highlighter on your cheekbones, nose bridge, and browbones. Finally, lock your makeup in place with a setting spray.



"If there's no problem, what's the harm?" - Don't be under this illusion; poor AQI poisons the lungs even without symptoms.

Have you ever wondered what changes occur within our bodies when we breathe polluted air? Even a few hours in polluted air can affect the body. PM2.5 particles accumulate in the lungs and cause inflammation. Persistent pollution reduces lung capacity and impacts the heart. We often think that pollution's effects last months or years, but did you know that just a few hours spent on a day with poor air quality is enough to cause turmoil within your body? Yes, as soon as you breathe in this toxic air, your lungs immediately start sounding the alarm. It's said that when the air contains high levels of fine particles, our respiratory system becomes directly affected within just a few hours. Let's explore what changes occur within the body after breathing this air. Signs visible in the first few hours: After spending just a few hours in polluted air, you may experience watery eyes, a sore nose and throat, a cough, chest heaviness, or a whistling sound when breathing. People with asthma, COPD, or heart disease are most affected quickly and severely. Importantly, if you don't experience any symptoms, don't assume that polluted air isn't harming you. PM2.5 also penetrates the body's natural defenses. PM2.5 is the most dangerous particle in air pollution. These particles are 2.5 micrometers or smaller in size. While our bodies are capable of expelling foreign matter, these particles are so fine that they penetrate the body's natural defenses and reach the deeper layers of the lungs. They lodge directly in the alveoli, the tiny sacs that carry oxygen into the blood. Breathing capacity is permanently reduced. Once these fine particles accumulate in the lungs, they cause inflammation and oxidative stress. Inflammation occurs when the body defends itself against injury or irritation. Oxidative stress occurs when harmful particles accumulate so rapidly that the body cannot eliminate them. Repeated exposure to such air can cause the lungs to become scarred, reducing their function and leading to chronic respiratory diseases. The impact on the heart is not limited to the lungs, but also to the respiratory tract. These fine particles also impair the functioning of our blood vessels, putting a heavy strain on the entire cardiovascular system. This is why air pollution is directly linked to stroke and heart disease. For those who already have heart problems, polluted days can prove to be very risky. The heavy cost of breathing toxic air every day—there's a significant difference between spending a day in polluted air and spending years in it. Spending 24 hours in polluted air doesn't automatically mean you'll develop lung cancer or a chronic disease. The real danger arises when you breathe such air continuously for months or years. The International Agency for Research on Cancer has declared outdoor pollution and airborne particles as a carcinogen for humans. Substantial research shows a direct link to lung cancer. Prevention and timely treatment are essential—protecting yourself from this toxic air is the best course of action. You can do the following: Always check the air quality index before doing anything outside. When pollution levels are in the "very poor" or "severe" category, avoid strenuous exercise or running outside. If you must go outside, wear a properly fitting N95 or N99 mask. While it doesn't block all airborne toxins, it does protect against fine particles to a significant extent. If you experience a persistent cough, shortness of breath, or wheezing, don't take it lightly and get a checkup with a doctor. If you suddenly experience severe difficulty breathing or chest pain, seek emergency medical help immediately.



"Dilwali Diwali," a one-hour film filled with family banter, features actor Mihir Ahuja talking about the film.

Actor Mihir Ahuja discussed his upcoming film "Dilwali Diwali" and this year's Diwali plans. He explained that the film is based on family banter, and that he won't be able to travel to Jamshedpur this year. Mihir Ahuja's "Dilwali Diwali" releases tomorrow. Manoj Pahwa and Neelu Kohli are also part of the film.



"Mihir won't be able to celebrate Diwali in Jamshedpur this time." This Diwali will be a mix of joy and sadness for actor Mihir Ahuja, who starred in "Sarzameen," "Vijay 69," and the web series "Safed Sagar." The joy that his film "Dilwali Diwali" is releasing, and the sadness that he won't be able to travel to his home in Jamshedpur. Mihir Ahuja will celebrate Diwali away from home. Talking about his Diwali, Mihir says, "I usually spend Diwali at my home in Jamshedpur. My father owns a shop. Every year, we go there and perform Lakshmi Puja. On Diwali, our entire family, including cousins, meets and gathers together. It brings back many old memories. We share stories from each other's childhood. We play various sports together, including cricket and badminton. This year, I can't go there because my film is releasing. I'm trying to invite my parents over this year." He used to buy clothes from local shops. Regarding his Diwali preparations, Mihir says, "I mostly prefer to wear traditional Indian or Indo-Western clothes for Diwali. Whether my Diwali clothes are designer or locally sourced, my priority is that they should be comfortable to wear. They should be so comfortable that I can wear them comfortably and leave without any hassle. I always buy them in every way." I am always ready to wear clothes of Rs. 1000, it just depends on what kind of function or party I am going to wear those clothes. Designers themselves sometimes contact me, which one I will say yes to depends on their clothes. Bought clothes from the first earnings- Talking about the first clothes bought for Diwali from his earnings, Mihir says, "I remember I bought a black sherwani. I came to Mumbai in the year 2017 and got my first advertisement in the year 2018. After that I bought that sherwani on Diwali from my earnings. I still have that sherwani, (laughs) it is a different matter that it does not fit me now. Talking about Dilwali Diwali - Mihir says about his film Dilwali Diwali, "It is a completely family oriented story and dedicated to the festival of Diwali. It depicts the sweet and sour family banter that happens in every family. It is just a one-hour long film. In this film, I got the opportunity to work with actors like Manoj Pahwa and Neelu Kohli, who elevate the level of any scene by just being in it."

Tamannaah Bhatia's film is coming to OTT after 3 years. It was a box office disaster; it incurred losses of over 10 times.

Tamannaah Bhatia's film, which was a box office disaster three years ago, is now ready for OTT release. A 3-year-old disaster film is coming to OTT. Tamannaah Bhatia made her Malayalam debut with this film. It incurred losses of over 10 times at the box office. Released during Diwali week three years ago, the film, which was a box office disaster, is now set to release on an OTT platform. This film is "Bandra." This film marked Tamannaah Bhatia's Malayalam debut. Besides Tamannaah, Dileep played the lead role in the film. Bollywood actor Dino Morea was also a part of the film. The film released during Diwali week - Bandra was released on November 10, 2023, during Diwali week. While the film generated buzz, it failed to attract audiences to theaters due to its negative response. The film was a box office super flop. Losses were 10 times greater. Bandra was made on a budget of ?35 crore, but only earned around ?3 crore. This film suffered losses of more than 10 times greater. Well, after three years, this disaster film is hitting the OTT platform. Which OTT platform is Bandra available on? Tamannaah Bhatia and Dileep's Bandra will stream on Zee5. According to posts on social media handles, the film will stream on OTT platforms starting November 13th. Currently, it will be available on the Malayalam version of Zee5. The film is not available in Hindi. What is the story of Bandra? Directed by Arun Gopi, Bandra is a romantic gangster drama. The story is written by Udayakrishna. The story follows Sakshi (Mamta Mohandas), a struggling aspiring filmmaker in Mumbai, who is looking for a compelling story for her directorial debut. Inspired by the suicide of 90s Bollywood personality Tara Janaki (Tamannaah Bhatia), she decides to make a biopic on her. As she researches Tara's life, she uncovers shocking secrets.



Artists' "desi connection" on Diwali: Some prefer their mother's choice; others choose their father's old kurta.

Bollywood actors Adinath Kothare and Ansh Duggal share their opinions on what should be worn during the festive Diwali season. Diwali will be celebrated in Bollywood - Adinath Kothare's thoughts on attire - Ansh Duggal's favorite dress. The excitement of glitter and new clothes on Diwali is in everyone's heart. For some, wearing a new traditional kurta-pyjama on this auspicious occasion is a decades-old tradition, while others consider comfort and simplicity the true style statement. Hear from actors surrounded by renowned designers about their favorite fashion colors for Diwali. Even today, my mother buys me Diwali clothes: Adinath Kothare This Diwali is very special for actor Adinath Kothare, who was seen in the role of Raj Awasthi in the recently released film 'Nai Naveli' and is playing the role of Bharat in the Nitesh Tiwari directed film 'Ramayanaam'. Regarding his Diwali fashion, he explains, "I still do my own Diwali shopping. We don't have any restrictions on wearing only branded or designer clothes. Since childhood, we've had a tradition of buying a new kurta-pyjama every Diwali. The special thing is that even today, my mother buys my Diwali clothes, and then we get them stitched. We still buy clothes from the same shop and the same tailor we used to go to as children. He knows our measurements and preferences very well. Over the years, a close bond has developed, and it's a joy to maintain. Now, buying festive clothes from him has become a beautiful tradition in our family." Regarding the changes taking place in the film industry on Diwali, Adinath says, "Our industry is no longer limited to Mumbai; anyone from anywhere can make a great film. Indian cinema is in its golden era, and regional films are also shining on the global stage." However, in today's digital age, as viewers, we have to discern which news or information to trust." And who wouldn't? I'll choose comfortable clothes, not fashion, this Diwali: Ansh Duggal - Actor Ansh Duggal of the films "Don't Be Shy" and "Nakhrewali" prefers comfortable outfits over designer advice on Diwali. He says, "I've always been confident in my outfits. I wear whatever feels comfortable to me. I love wearing traditional Indian clothes, especially simple kurta-pyjamas, on Diwali. For me, fashion means wearing something that makes me feel good from within. Since we're actors, stylists can help a little, but the final decision should be your own. Stylists have come into my life now. Earlier, I used to wear whatever I could find on Diwali—sometimes even my father's old kurta. The real joy of Diwali lies in eating well and spending time with loved ones. I don't feel any pressure to post fashionable pictures on Instagram; I limit it to promoting my films.

